आरबीआई : नवंबर में महंगाई दर कम होकर 5.48% पर आई

हकीकत : हर निवाले में महंगाई की कड़वाहट

हरिभूमि
रायपुर भूमि

महंगाई दर थोड़ी फिसली, पर निवाला अब भी कड़वा, पांच बरस में इस बार सबसे ज्यादा, 1000 का मसाला 2000 तक बिक रहा

रुचि वर्मा ⏭ रायपुर

आरबीआई ने नवंबर माह की खुदरा महंगाई दर की रिपोर्ट साझा की है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की खुदरा महंगाई दर नवंबर में घटकर 5.48 प्रतिशत पर आ गई, जो अक्टूबर में 6 प्रतिशत से ऊपर थी। यह गिरावट नई फसल के बाजार में आने और सब्जियों की कीमतों में नरमी के कारण देखी गई है। लेकिन यहां नई फसल आने के बाद भी कुछ चीजों के दामों को छोड़ दिया जाए तो अधिकतर के दाम अब भी अस्थिर ही हैं। सभी चीजें हर निवाले में महंगाई की कड़वाहट घोल रही हैं। सिर्फ आरबीआई की रिपोर्ट में ही गांवों का मौसम गुलाबी है।

हरिभूमि सरोकार

अक्टूबर-नवंबर की तुलना में अभी सब्जियों ने थोड़ी राहत दी है। मसाले और दलहन-तिलहन की बात की जाए तो इनकी कीमतें पहले ही इतनी बढ़ चुकी थी कि इसमें आई थोड़ी कमी भी सुकून नहीं दे सकी। आरबीआई के आंकड़ों की जमीनी हकीकत जानने और आम लोगों पर इसके असर को समझने हरिभूमि ने विभिन्न सेक्टर प्रमुख से चर्चा की। बीते पांच सालों के दौरान कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव और उनके कारणों के विषय में उन्होंने अपनी राय रखी। ⏭शेष पेज 13 पर

किसने, क्या कहा?

अनाज की महंगाई दर 0.06 प्रतिशत कम

अनाज और दालों की महंगाई दर में भी मामूली गिरावट आई है। नवंबर में अनाज की महंगाई दर 6.88 प्रतिशत रही, जो अक्टूबर में 6.94 प्रतिशत थी। दालों की महंगाई दर 7.43 प्रतिशत से घटकर 5.41 प्रतिशत पर आ गई। यह राहत ऊंट के मुंह में जीरा जैसा ही है। थोक बाजार में भले ही दलहन की कीमतें थोड़ी कम हुई है, लेकिन चिल्हर तक पूरी राहत नहीं पहुंच पाई है। थोक में महीने-दो महीने के लिए चावल-दाल खरीदने वालों का बिल 10 प्रतिशत तक कम बन रहा है, लेकिन साप्ताहिक रूप से या पखवाड़े भर के लिए राशन खरीदने वालों के लिए कम हुई यह दर कोई परिवर्तनकारी साबित नहीं हुई है।

बंगाल की नीति भारी पड़ी

छग में आलू उप्र और बंगाल से आता है। इस बार बार बंगाल सरकार द्वारा कमी को देखते हुए इसके निर्यात पर रोक लगा दी गई थी। यह नीति भारी पड़ी। लहसून-प्याज पर मौसम की मार पड़ी है।

- **अजय अग्रवाल,** अध्यक्ष, आलू-प्याज एसोसिएशन

सब्जियों पर मौसम की मार

दिसंबर में सब्जियां सस्ती हुई है, फिर भी ये बीते वर्षों की तुलना में अधिक है। मौसम ही मुख्य वजह है।

- **टी. श्रीनिवासन रेड्डी,** अध्यक्ष, दूमरतराई थोक सब्जी बाजार

गरम मसालों में गर्मी

बड़ी इलायची, इलायची जैसी गरम मसाले में शामिल होने वाले कई मसाले हजार रुपए से अधिक पहुंच गए हैं। बीते पांच वर्षों में ये सर्वाधिक कीमत है।

- **पवन अलवा,** थोक मसाला कारोबारी

बढ़ोत्तरी अचानक नहीं

दाल-चावल की कीमतों में बढ़ोत्तरी अचानक नहीं हुई हैं। ये क्रमशः बढ़ी हैं। दाल की कीमतों में बढ़ोत्तरी का मुख्य कारण फसल कम होना है।

- **प्रकाश अग्रवाल,** थोक अनाज व्यापारी

पांच सालों में कहां से कहां पहुंची थाली की मुख्य चीजें

1 प्याज

2021 के बाद सर्वाधिक महंगा

इस बार प्याज ने पूरे साल रुलाया। सामान्यतः गर्मी के दौरान इसकी कीमतें 10 रुपए किलो तक पहुंच जाती थी। नई प्याज की फसल आने के दौरान लोग इसे घरों में वर्षभर के लिए एकत्र करके रखते हैं। इस बार 20 से 22 रुपए किलो तक इसकी खरीदी पड़ी। इसके पूर्व 2021 में प्याज की कीमतें 100 रुपए पार पहुंची थी। 2021 के बाद प्याज इस वर्ष सर्वाधिक महंगा रहा है, जब थोक में 40 रुपए किलो और चिल्हर में 60 रुपए किलो तक खरीदी करनी पड़ी।

2 आलू

अंत में नई फसल से राहत

हरी सब्जियों के महंगे होने पर लोग आलू का रूख करते हैं, लेकिन इस बार आलू ने भी सालभर रुलाया। थोक में इसकी कीमतें 30 रुपए किलो तक रही तो चिल्हर में यह अधिकतर समय 40 से 60 रुपए किलो तक बिकता रहा। वर्ष के अंतिम माह में नई फसल आने से चिल्हर में 25 से 30 रुपए किलो तक बिक रहा है। हालांकि पूर्व में इसकी कीमतें 15 से 20 रुपए किलो तक जाती रही हैं। इस तरह से बीते वर्षों की तुलना आलू भी इस साल महंगा पड़ा।

3 बड़ी इलायची

नेपाल-असम से आयात
1700-1800 रुपए किलो

मसालेदार सब्जियों और गरम मसाला तैयार करने में बड़ी इलायची महत्वपूर्ण होती है। छग में नेपाल और असम से इसका आयात होता है। इस वर्ष इसकी कीमतें 1700 से 1800 रुपए किलो क्वालिटी के अनुसार थोक में रही हैं। चिल्हर में कीमतें 2000 रुपए किलो तक चली गईं। पिछले वर्ष इसकी कीमतें 1000 से 1100 रुपए किलो तक थी।

4 चावल

काली मूछ थोक में 65 सरना भी 35 पार

चावल की कीमतें भी बीते पांच वर्षों की तुलना में इस वर्ष सर्वाधिक है। एचएमटी थोक में 45 से 60 रुपए किलो, काली मूंछ 60 से 65 रूपए किलो और सरना भी 35 से 38 रुपए किलो की दर पर है। चिल्हर खरीदी में इनकी कीमतें थोक से 5 से 10 रुपए तक बढ़ जाती हैं। व्यवसायियों के अनुसार, इसमें राहत की उम्मीद फिलहाल नहीं है।

5 लहसून

40 से 400 रुपए तक का सफर

खाने में लहसून का तड़का लोगों को महंगा पड़ने लगा है। दशक भर पहले 40 रुपए किलो तक में मिलने वाला लहसून इस वर्ष 400 रुपए तक बिका है। यह बीते पिछले पांच सालों में सर्वाधिक है। दिसंबर में इसकी कीमतें थोक में 360 से 380 रुपए किलो तक पहुंच गई हैं, चिल्हर में राहत फिलहाल नहीं है।

6 दाल

पांच सालों में यह दूसरी सर्वोच्च दर

सब्जियों की बढ़ती कीमत से हारकर दाल की शरण में आने वालों को भी निराशा हुई। 2023 की शुरुआती तिमाही में अरहल दाल की कीमतें 200 रुपए पार हुई थी। इसके बाद मौजूदा वर्ष में यह चिल्हर में 140 से 180 रूपए किलो तक क्वालिटी के अनुसार बिकी। थोक में यह 130 से 170 रुपए किलो रही।

सब्जियां : नई फसल से थोड़ी राहत, पूरे वर्ष रुलाया

ठंड के मौसम में नई फसलों और स्थानीय आवक से दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में राहत मिलनी शुरू हुई है, लेकिन वर्ष के अधिकतर माह सब्जियों ने रुलाया ही है। फिलहाल यह राहत सर्दियों के मौसम तक रहने की उम्मीद है।

खबर संक्षेप

सूने मकान में चोरी नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

रायपुर। महावीर नगर के सूने मकान में चोरी करने के आरोप में राजेंद्र नगर पुलिस ने एक पुराने शातिर चोर तथा उसके नाबालिग साथी को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल एक अन्य फरार है। अवधेश प्रताप सिंह की शिकायत पर पुलिस ने अभय मिर्चे तथा उसके नाबालिग साथी को गिरफ्तार किया है। अवधेश ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह 17 दिसंबर को मुंबई गया था। इसी दौरान बदमाशों ने उसके मकान का ताला तोड़कर घर में लगे सीसीटीवी कैमरे सहित दो लाख रुपए नकदी चोरी कर ले गए थे।

गाली-गलौज से मना करने पर युवक को पीटा

रायपुर। पेशे से मजदूर बिरगांव निवासी एक युवक ने तीन लड़कों के खिलाफ गाली-गलौज करने से मना करने पर उरला थाने में मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मनीष ध्रुव ने ओंकार पाण्डेय, विक्की तथा संगम के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। मनीष ने पुलिस को बताया कि तीनों लड़के उसे देखकर गाली-गलौज कर रहे थे। मना करने पर ओंकार तथा उसके साथियों ने मनीष के साथ मारपीट की।

सामान खरीदने गए व्यक्ति से मारपीट

रायपुर। दुकान में सामान खरीदने गए एक व्यक्ति ने एक युवक तथा उसके साथियों के खिलाफ गुढ़ियारी थाने में मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कलिंग नगर निवासी बृजेश शुक्ला ने सुनील सोनी तथा उसके साथियों के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। बृजेश ने पुलिस को बताया कि वह मिराज पेट्रोल पंप स्थित एक दुकान में सामान लेने गया था। इस दौरान सुनील सोनी तथा उसके साथियों ने उसके साथ मारपीट कर एक्टिवा लूटकर ले गए। बाद में एक्टिवा वापस लाकर दे दिए। बृजेश ने पुलिस को बताया कि बदमाश उसकी एक्टिवा की डिक्की से 50 हजार रुपए चोरी कर ले गए।

शादी समारोह में विवाद परिजनों ने की मारपीट

रायपुर। मंदिर हसौद थाना में एक मां ने अपने बेटे, बेटी तथा दामाद के खिलाफ शादी समारोह में प्रॉपर्टी विवाद को लेकर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाने में जुबैद बेगम ने अपने बेटे शोएब अखाई, बेटी निखत खान तथा दामाद नफीस खान के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। जुबैदा ने पुलिस को बताया कि वह अपने छोटे बेटे की शादी में शामिल होने सिब्बल ग्रीन में शामिल होने गई थी।

एडवांस नहीं मिलने से नाराज ड्राइवर ने बीएमडब्लू कार में लगाई आग

गंज थाना क्षेत्र का मामला, पिता की मौत के बाद मांगा था एडवांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पिता की मौत के बाद एडवांस नहीं मिलने से नाराज ड्राइवर ने अपने मालिक के साथ हाथापाई करने के बाद मंगलवार देर रात उनकी बीएमडब्लू कार में केरोसिन डालकर आग लगा दी। घटना का सीसीटीवी फूटेज सामने आने पर कार मालिक ने अपने ड्राइवर के खिलाफ आजाद चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। चौबे कालोनी निवासी निखिल अग्रवाल ने अपने ड्राइवर सिल्वेस्टर राजेश उर्फ रोमी के खिलाफ कार में आग लगाने की शिकायत दर्ज कराई है। निखिल ने पुलिस को बताया है कि राजेश उनके यहां पिछले चार वर्षों से ड्राइवर ⏭शेष पेज 13 पर

केरोसिन डाल कार में आग लगाई

हाथापाई की घटना की निखिल ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद मंगलवार को देर रात राजेश अपनी बाइक से निखिल के घर के पास पहुंचा और कार के सामने पहिया में केरोसिन डालकर आग ⏭शेष पेज 13 पर

प्रदेशभर में 5 हजार पटवारियों ने किया ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार

पटवारियों का ऑनलाइन बस्ता बंद दफ्तरों से खाली लौट रहे जरूरतमंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेशभर के 5 हजार पटवारी इन दिनों ऑनलाइन काम ठप कर अनिश्चितकालीन आंदोलन पर हैं।

■ सरकारी व्हाट्सग्रुप से भी हो गए हैं लेफ्ट

उनके इस बस्ताबंद आंदोलन से लोग नक्शा, खसरा के लिए भटक रहे हैं। यही नहीं, बटांकन और नामांतरण का कार्य भी इससे प्रभावित हुआ है। राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के आव्हान पर राज्य के पटवारी 16 दिसंबर से आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराने के विरोध में सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्यों और प्रशिक्षण का बहिष्कार कर विरोध जता रहे हैं। दरअसल, वर्तमान में राजस्व संबंधी सभी कार्यों को भुइंया पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया गया है, इसके अलावा अधिकतर कार्य जैसे कृषि संगणना, फसल कटाई प्रयोग भी ऑनलाइन मोबाइल एप अथवा कंप्यूटर के माध्यम करना होता है। ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि फॉलोअप

धान खरीदी का रकबा बढ़ेगा, सुधार कार्य प्रभावित

पटवारियों की बस्ताबंद हड़ताल से ऑनलाइन सुधार का कार्य प्रभावित हो रहा है। प्रदेशभर में कई जगहों पर वर्तमान में धान खरीदी चल रही है। किसान का इस बार रकबा बढ़ेगा, पटवारियों ने काम बंद कर दिया है, इसलिए ऑनलाइन कार्य प्रभावित हो सकता है। इसी तरह डिजिटल सिग्नेचर नहीं होने से प्रिंट नहीं निकलेगा।

30 साल से नहीं मिली पदोन्नति, पटवारी नाराज

प्रदेशभर के पटवारियों की सबसे बड़ी नाराजगी इस बात को लेकर है कि पिछले 3 दशक से पटवारियों को पदोन्नति नहीं दी गई। इसके कारण वे बिना पदोन्नति पाये सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जबकि दूसरे विभागों में ऐसी स्थिति नहीं है। पटवारियों ने पदोन्नति की मांग प्रमुखता से उठाई है। अपनी लंबित मांगों की अनदेखी से नाखुश पटवारी प्रति सोमवार ब्लैक ड्रेस के साथ विरोध जता रहे हैं।

बस्तर के कई क्षेत्रों में बारिश

ठंडी हवा से दिन सर्दभरा, रात का तापमान पांच डिग्री ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमीयुक्त ठंडी हवा से दिन का मौसम सर्दभरा हो गया है। रायपुर समेत मध्य तथा उत्तरी क्षेत्र में न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा है। वहीं बस्तर के कई इलाकों में पिछले चौबीस घंटे में बारिश हुई है।

छाए बादलों की वजह से बुधवार को शहर के अधिकतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट हुई है। इसके साथ नमी की वजह से ठंड महसूस हुई। अगले दो से तीन दिन तक इसी तरह की स्थिति रहने की संभावना है। इन्हीं बादलों की वजह से रात का तापमान सामान्य से काफी अधिक दर्ज किया जा रहा है। मध्य हिस्से के साथ उत्तरी इलाके में भी रात का तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से दिसंबर के अंतिम दिनों में भी सरगुजा संभाग में शीतलहर की स्थिति नहीं बनी है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक पिछले चौबीस घंटे में नमी के प्रभाव से बस्तर के लोहडीगुड़ा, बस्तर में 4 सेमी., भानपुरी, बकावंड, तोकपाल में 3 सेमी., जगदलपुर, बड़े बचेली, दरभा, बीजापुर सहित कई क्षेत्रों में एक से दो सेमी. तक बारिश हुई है।

काम से लौटा तो बच्ची को रोता देख भड़का, पत्नी को पहली मंजिल से धक्का देकर गिराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

काम से लौटे व्यक्ति ने पत्नी को पहली मंजिल से धक्का देकर उसकी जान लेने की कोशिश की है। धक्का देने की वजह पत्नी द्वारा बेटी को पीटना बताया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल कर दिया है। घटना मंगलवार दोपहर गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के विकास नगर की है। गिरने की वजह से महिला के पैर की हड्डी टूट गई है।

■ आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर किया जेल दाखिल

पत्नी को घर की पहली मंजील से धक्का देने के आरोप में पुलिस ने सुनील जगबंधु को गिरफ्तार किया है। सुनील की पत्नी सपना ने पुलिस को बताया कि वह अपनी बेटी को पढ़ा रही थी। इस दौरान उसने बच्ची को पढ़ाई में ध्यान देने के लिए फटकार लगाई। इससे उसकी बेटी रोने लगी और पड़ोस के एक घर में चली गई। काम से लौटे सुनील ने अपनी बेटी को रोते देखा तो गुस्सा हो गया। इस पर सुनील ने अपनी पत्नी की पहले चप्पलों से पिटाई की। इसके बाद अपनी पत्नी को रेलिंग में लिटाकर गला दबा दिया। महिला के विरोध करने पर सुनील ने अपनी पत्नी का हाथ पकड़कर खींचते हुए पहली मंजिल पर ले गया और घर की खिड़की से धक्का देकर नीचे गिरा दिया। पड़ोसियों की मदद से महिला को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

पहाड़ा याद नहीं होने पर पिटाई

पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक सपना अपनी बेटी को पहाड़ा याद करा रही थी, जिसे वह याद नहीं कर पा रही थी। इसी बात से नाराज होकर सपना ने अपनी बेटी के साथ सख्ती बरतने और दबाव बनाने मारपीट की। मारपीट से सहमी बच्ची पड़ोसी के घर चली गई। इसी दौरान पेशे से इलेक्ट्रिशियन सुनील घर पहुंचा, तो उसने बच्ची को पड़ोसी के घर में रोते हुए देखा। बच्ची को पीटे जाने की घटना की जानकारी मिलने पर वह भड़क गया।

फील्ड से गायब वनकर्मियों की मोबाइल से होगी निगरानी

■ उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में मोबाइल खरीदने पौने चार लाख का टेंडर

■ कई वनकर्मी फील्ड में होने का झांसा देकर गायब रहते हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में फील्ड से गायब रहने वाले वनकर्मियों की निगरानी करने पौने चार लाख रुपए के मोबाइल खरीदने वन विभाग ने टेंडर जारी किया है। यूएसटीआर की गिनती संवेदनशील वनक्षेत्र के रूप में होती है। इसकी वजह पड़ोसी राज्य ओडिशा के ग्रामीण यूएसटीआर में शिकार, वनों की अवैध कटाई करने के साथ कब्जा करने बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। ⏭शेष पेज 13 पर

वन अपराध पर अंकुश लगाने मिलेगी मदद

जो वनकर्मी अपने पास स्मार्ट मोबाइल नहीं होने का बहाना बनाते हैं, फील्ड में ड्यूटी लगने के बाद किसी अन्य जगह चले जाते हैं, नए मोबाइल दिए जाने से ऐसे वनकर्मी अपनी तैनाती जगह से किसी दूसरी जगह नहीं जा पाएंगे। एम-स्ट्रीप के माध्यम से उनकी आसानी से निगरानी की जा सकती है। इसकी वजह वनकर्मियों को अपनी तैनाती जगह से हर एक से दो घंटे ⏭शेष पेज 13 पर

अस्पतालों में बना राउंड का सिस्टम, शाम को मिल रही मरीजों को चिकित्सकीय सलाह

इयूटी करने वाले डाक्टरों की प्रतिदिन ली जा रही रिपोर्ट, नाफरमानी तो कार्रवाई भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भर्ती मरीजों की भलाई के लिए मेडिकल कालेज से संबंधित अस्पतालों में शाम के राउंड का सिस्टम चिकित्सा शिक्षा आयुक्त की सख्ती के बाद नजर आने लगा है। विभागीय कंसलटेंट संध्याकाल में वार्डों का राउंड ले रहे हैं और मरीजों को चिकित्सकीय सलाह भी मिल रही है। ड्यूटी करने वाले डाक्टरों की प्रतिदिन रिपोर्ट ली जा रही है और नाफरमानी करने वालों पर कार्रवाई की तैयारी है। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त किरण कौशल ने पिछले दिनों तमाम मेडिकल कालेजों से संबंधित अस्पतालों में ⏭शेष पेज 13 पर

■ क्लीनिकल डाक्टरों की निगरानी, व्यवस्था पर नजर रखने भी तय की गई जिम्मेदारी

केवल हस्ताक्षर की शिकायत

कुछ चिकित्सा महाविद्यालय में शाम के वक्त इयूटी के नाम पर केवल हस्ताक्षर किए जाने की शिकायत मिल रही है। कंसलटेंट डाक्टरों को इयूटी में अपने विभाग में जाकर मरीजों की खैर-खबर लेनी है, इसके अलावा इमरजेंसी विभाग में जाकर भी वहां का हाल जानकर उपचार से संबंधित आवश्यक सलाह भी देनी है। कंसलटेंट अस्पताल आते हैं और हस्ताक्षर कर लौट जाते हैं। इस संबंध में भी शिकायत उच्च स्तर के अधिकारियों से किए जाने की तैयारी है।

नॉन क्लीनिकल भी व्यवस्था में शामिल

अभी तक नॉन क्लीनिकल जैसी एनाटॉमी, कम्यूनिटी मेडिसिन, पैथोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री जैसे विभाग के सीनियर डाक्टर मेडिकल कालेज में शिक्षा तक सीमित थे। उन्हें अब अस्पताल की व्यवस्था में शामिल किया गया है। इन डाक्टरों को अस्पताल में शाम के वक्त उपचार सिस्टम और शाम के वक्त राउंड में आने वाले डाक्टरों की रिपोर्टिंग के लिए लगाया गया है। उन्हें अपनी ड्यूटी के बाद एक घंटा अस्पताल की व्यवस्था पर नजर रखने देने निर्देशित किया गया है।

एफओबी पर गर्डर लांचिंग, कैंसिल रहेगी इतवारी एक्सप्रेस, तीन ट्रेन लेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

फ्लाई ओवरब्रिज पर गर्डर बैठाने चक्रधरपुर रेल मंडल में लिए जाने वाले ब्लाक की वजह से इतवारी एक्सप्रेस नहीं चलेगी। इसके साथ ही राजगांगपुर स्टेशन से गुजरने वाली तीन ट्रेनों का संचालन भी विलंब से किया जाएगा। ट्रेनों की चाल प्रभावित होने की वजह से ठंड के मौसम में लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रा के लिए ⏭शेष पेज 13 पर

■ 28-29 दिसंबर को प्रभावित रहेगा रेल यातायात

प्रयागराज कुंभ जाने तीन ट्रेनें

प्रयागराज में होने वाले मेले में जाने वालों को अतिरिक्त सुविधा देने के लिए छत्तीसगढ़ से तीन विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। रायगढ़, बिलासपुर और दुर्ग से वाराणसी के बीच तीन कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इन ट्रेनों के माध्यम से यात्रियों को प्रयागराज जाने अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। इसके अलावा विशाखापट्नम-पंडित दीनदयाल उपाध्याय- विशाखापट्नम, विशाखापट्टनम-गोरखपुर-विशाखापट्नम कुंभ मेला स्पेशल ट्रेनों का लाभ भी रायपुर, बिलासपुर, उसलापुर, रायगढ़, चांपा, पेंड्रारोड, अनूपपुर के यात्रियों को मिलेगा।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

बेलगामी में सीडब्ल्यूसी की बैठक, भूपेश हुए रवाना

रायपुर। बेलगाम, कर्नाटक में 26 दिसंबर को विस्तारित सीडब्ल्यूसी की विशेष बैठक रखी गई है।

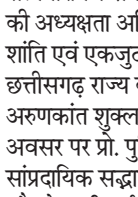

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बैठक में भाग लेने रवाना हो गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज दिल्ली से ही इसमें भाग लेने गुरुवार सुबह रवाना होंगे। यहां होने वाली दो दिवसीय बैठक को 'नव सत्याग्रह' का नाम दिया गया है। 27 दिसंबर को यहां एक विशाल 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' रैली आयोजित होगी।

लेखक-वक्ता डॉ. पुनियानी का व्याख्यान आज

रायपुर। जनसंगठनों के संयुक्त मंच द्वारा 26 तारीख को देश के जाने-माने लेखक-वक्ता और सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसाइटी एंड सेक्युलरिज्म के कार्यकारी परिषद अध्यक्ष प्रो. राम पुनियानी का सम्मान समारोह सिविल लाइंस स्थित वृंदावन सभागार में आयोजित है। दोपहर 12 बजे से आयोजित सम्मान समारोह के विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय शांति एवं एकजुटता संगठन, छत्तीसगढ़ राज्य के महासचिव अरुणकांत शुक्ला करेंगे। इस अवसर पर प्रो. पुनियानी सांप्रदायिक सद्भाव की विरासत और देश की वर्तमान परिस्थिति विषय पर व्याख्यान देंगे।

गांधी सदन में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

रायपुर। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में एएसजी नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से गांधी सदन में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों सहित निगम कार्यालय पहुंचे नागरिकों ने निशुल्क नेत्र परीक्षण कराकर इसका लाभ उठाया। शिविर में नागरिकों की आई स्क्रीनिंग भी की गई।

गांडा महासभा युवा विभाग का युवा संवाद 29 को

रायपुर। गांडा महासभा युवा विभाग द्वारा युवा संवाद 2024 कार्यक्रम 29 दिसंबर रविवार वृंदावन हॉल सिविल लाइंस रायपुर आयोजित है, जिसमें समाज के युवाओं एवं समाजजनों की उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में युवाओं के साथ संवाद किया जाएगा एवं समाज में युवाओं का योगदान, समाज के विकास के लिए, आदर्श समाज बनाने के लिए, समाज का केंद्रीकरण करने के लिए, युवाओं को समाज से जोड़ने के लिए कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में युवाओं के भविष्य, युवाओं के कैरियर के लिए गाइडेंस एवं समाज में किस तरह से युवाओं को शामिल करके समाज की दशा और दिशा बदलनी है, इस पर गहन चर्चा की जाएगी। युवा अध्यक्ष बंटी निहाल ने बताया कि युवा ही समाज की दशा और दिशा बदलने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे । प्रदेश स्तरीय दौरा कर समाज को मजबूत बनाने युवाओं को जोड़ा जाएगा। आगामी कार्यक्रम को लेकर विगत दिनों गांडा महासभा की टीम ने बैठक रखकर अपने सदस्यों को जिम्मेदारी दी। कार्यक्रम को लेकर युवाओं में हर्ष का माहौल है और युवा वर्ग भी चाहता है कि समाज का विकास होना चाहिए।

वीर बाल दिवस पर किया 4 साहिबजादों को नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस पर दसवें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंहजी के साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया है। मुख्यमंत्री ने गुरु गोविंद सिंहजी के पुत्रों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि गुरु गोबिंद सिंहजी के पुत्रों ने धर्म की रक्षा के लिए बहुत कम उम्र में ही अपने आप को बलिदान कर दिया। उन्होंने अपनी वीरता और शौर्य से देश को गौरवान्वित किया है। हम सभी को वीर सपूतों के अदम्य साहस और बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए।

कांग्रेस संगठन में बदलाव की सुगबुगाहट, एक दर्जन जिला अध्यक्षों के नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस अपने संगठन में बदलाव कर सकती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज दिल्ली दौरे पर हैं। 15 दिनों में दीपक बैज का यह दूसरा दिल्ली दौरा है। उनके दिल्ली दौरे के दौरान प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट समेत पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की संभावना है।

अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस निकाय चुनाव से पहले राज्य के एक दर्जन जिला अध्यक्षों को बदल सकती है। वहीं संगठन में खाली पदों पर भी नियुक्तियां हो सकती हैं। कांग्रेस संगठन में राजधानी रायपुर, गरियाबंद, बिलासपुर, धमतरी और दुर्ग समेत कई जिलों के अध्यक्षों की बदलने की चर्चा चल रही है। निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस संगठन में सुधार करने की कोशिश कर रही है। पिछले एक साल से राज्य में हुए चुनाव में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में कांग्रेस अपने जिला अध्यक्षों को बदलने की कवायद कर रही है।

दिल्ली में बैज ने पायलट सहित कई नेताओं से की मुलाकात

सूची लेकर दिल्ली गए बैज

सूत्रों का कहना है कि दीपक बैज अपने पिछले दौरे में भी संगठन में नियुक्तियों की सूची लेकर दिल्ली दौरे पर गए थे। लेकिन तब प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट से मुलाकात नहीं हो पाई थी। सचिन पायलट से संगठन में फेरबदल की विस्तार से चर्चा के बाद हरी झंडी मिलने की संभावना है। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस के बागी नेताओं की वापसी पर भी चर्चा हो सकती है। बताया जाता है बेलगांव में कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद सूची जारी किए जाने की संभावना है।

कई जिला अध्यक्षों का कार्यकाल पूरा

संगठन में फेरबदल का एक कारण यह भी कहा जा रहा है कि कई जिलों के अध्यक्षों का पांच साल का कार्यकाल पूरा हो गया है। कई जिलों के अध्यक्षों की चुनाव के समय सक्रियता पर सवाल खड़े हुए थे, इस कारण से कांग्रेस बदलाव कर सकती है। माना जा रहा है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी, उपाध्यक्ष, महामंत्री, सचिव, सहसचिव जैसे अहम पदों पर भी नियुक्ति कर सकती है। साथ ही कुछ मोर्चा या प्रकोष्ठ के अध्यक्षों को भी बदला जा सकता है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में जन्म शताब्दी पर हुए विविध कार्यक्रम

साय बोले- सत्ता के लिए सिद्धांतों और राजनीतिक मूल्यों से अटलजी ने कभी समझौता नहीं किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देश में सुशासन की कल्पना को चरितार्थ करने वाले, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशताब्दी पर बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस मौके उनकी जन्म शताब्दी और सुशासन दिवस की बधाई देते हुए कहा, यह उनका परम सौभाग्य रहा कि उनके प्रधानमंत्रित्व काल में उनके सान्निध्य में सांसद के तौर पर कार्य करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा, सत्ता की राजनीति के लिए सिद्धांतों और राजनीतिक मूल्यों के साथ अटल जी ने कभी कोई समझौता नहीं किया।

उन्होंने कहा, 1996 में पहली बार प्रधानमंत्री बने तब भी विश्वास मत के प्रस्ताव पर चली चर्चा का उत्तर देते हुए अनैतिक तरीकों से मिली सत्ता को चिमटे से भी नहीं छूने का संकल्प व्यक्त किया था और उस पर वे अडिग रहे। दूसरे कार्यकाल में एक वोट से उनकी सरकार गिर गई पर उन्होंने सिद्धांत पर चलते हुए राजनीति की। तीसरी बार पूरे देश में सुशासन स्थापित करने वाले अटल ने एक मजबूत सरकार चलाई। उन्होंने इस देश के गांवों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जोड़कर गांव के विकास की शुरुआत की। किसान क्रेडिट कार्ड की शुरुआत भी उनकी सरकार ने की। पहली बार भारत सरकार में आदिम जाति कल्याण मंत्रालय का गठन किया ताकि देश की आदिवासियों का समुचित विकास हो। भव्य भारत के निर्माण के उनके सपनों को हम साकार करने के लिए हम संकल्पित हों, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सुशासन की राह पर चले हम सब साथ हैं : रमन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अटल की सरकार में अपने मंत्री के तौर पर कार्यकाल का स्मरण करते हुए कहा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत उनके साथ हुई। आज के शुभ अवसर पर हम सब उनको देश में सुशासन स्थापित करने में उनके योगदान के लिए याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार अभी हाल ही दूसरे साल में प्रवेश किया है। हमकों मुख्यमंत्री को यह विश्वास दिलाना चाहिए कि आप सुशासन की राह पर चल रहे हैं और हम सब आपके साथ हैं। अटल के बताए मार्ग पर चलते जाइए, यही सुशासन दिवस का संकल्प है।

श्रद्धांजलि दी गई : अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन का परिचय कराती चित्र प्रदर्शनी भी रखी गई। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कार्यालय परिसर में नवनिर्मित स्मृति मंदिर में स्थापित अटल के साथ ही भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, कुशाभाऊ ठाकरे और विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी।

अटलजी ने छत्तीसगढ़वासियों की भावनाओं का किया सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को राजधानी रायपुर के अवंति विहार चौक पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुण्य स्मरण किया।

उन्होंने कहा, अटल छत्तीसगढ़वासियों की भावनाओं का सम्मान करने वाले महान राजनेता थे। उनका नेतृत्व, दूरदृष्टि और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी नीतियों और विचारों ने भारत को एक नई दिशा दी। उन्होंने कहा, उनके सपनों को साकार करते हुए ही छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने उनकी जन्मशती के इस विशेष अवसर पर कहा, उनके मूल्यों को आत्मसात कर हम सभी राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। उनकी स्मृति में इस रजत जयंती वर्ष को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है, जिसके अंतर्गत राज्य में अधोसंरचना विकास के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, राजेश मूणत सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अटल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर नालंदा परिसर में लगी प्रदर्शनी : भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर जनसंपर्क विभाग द्वारा रायपुर के नालंदा परिसर में दो दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी बुधवार से लगाई गई है।

नगरीय निकाय चुनाव, कांग्रेस ने 70 वार्डों में बनाई समिति

वार्डों का आरक्षण तय होने के बाद सामने आ रहे कई दावेदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर सभी जिला अध्यक्षों को तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। जिन जिलों के निकायों में चुनाव कराया जाना है, वहां सभी वार्डों में समिति गठन कर वार्ड स्तरीय बैठक कर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और सक्रिय लोगों को चुनाव में उतारने सर्वे भी कराया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे ने 70 वार्डों के आरक्षण के बाद वार्डों में समिति का गठन किया है।

वार्डों की समिति में प्रभारी सह प्रभारी के साथ पार्षद, छाया पार्षद एवं वार्ड अध्यक्षों को रखा गया है। यह समिति वार्डो मे जाकर नए परिसीमन के अनुसार वार्ड स्तरीय बैठकें लेंगी एवं नये परिसीमन के अनुसार बूथवार कार्यकर्ताओं को जानकारी देंगे। साथ ही वार्ड में योग्य उम्मीदवार की तालाश करेंगे। उल्लेखनीय है कि वार्डों का आरक्षण पूरा होने के बाद यहां पर पार्टी से कई दावेदार सामने आ रहे हैं। वार्ड स्तर पर कांग्रेस नेताओं को एकजुट करने समिति के सदस्य वहां जाकर लोगों से मुलाकात करने के बाद पार्टी पदाधिकारियों को फीडबैक देंगे, उसके अनुसार प्रत्याशी तय किए जाएंगे।

महापौर, अध्यक्ष के आरक्षण के लिए कांग्रेस ने बनाई समिति

27 दिसंबर को महापौर एवं अध्यक्ष का आरक्षण होना है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शहर जिला अध्यक्ष ने वरिष्ठ नेताओं की समिति बनाई है। समिति आरक्षण पर नजर रखेगी और जरूरत पड़ने पर दावा आपत्ति भी पेश करेगी। समिति में प्रमोद दुबे, एजाज ढेबर, ऊधोराम वर्मा, श्रीकुमार मेनन, ज्ञानेश शर्मा, सतनाम सिंह पनाग, नागभूषण यादव, सुमीत दास, सुंदर जोगी, मनीराम साहू, सहदेव व्यवहार को रखा गया है।

कभी भी जारी हो सकते हैं कार्यक्रम

चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग नगरीय निकाय और पंचायत विभाग द्वारा आरक्षण की प्रक्रिया 30 दिसंबर तक पूरा करने के बाद कभी भी चुनाव कार्यक्रम घोषित कर सकता है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि नगरीय निकाय चुनाव जनवरी में पूरा करा लिया जाएगा। उसके बाद पंचायत चुनाव होंगे।

अमित कुमार बने भारत सरकार में सचिव, प्रदेश के तीसरे आईएएस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ कैडर के 1993 बैच के आईएएस अमित कुमार अग्रवाल केंद्र में सचिव पद पर पदोन्नत हो गए हैं। अभी वे अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे। वे दिसंबर 2016 से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। केंद्र सरकार ने आईएएस अधिकारियों के विभागों में फेरबदल किया है, उसमें अमित कुमार को सीईओ यूनिक आईडेंटिफिकेशन का स्वतंत्र प्रभार के साथ सचिव फार्मास्यूटिकल विभाग दिया गया है। अमित कुमार भारत सरकार में सचिव बनने वाले छत्तीसगढ़ कैडर के तीसरे आईएएस होंगे। उनसे पहले बीएस बासवान और बीवीआर सुब्रमणियम केंद्र में सचिव रह चुके हैं। सुब्रमणियम के बाद केंद्र में सचिव स्तर पर छत्तीसगढ़ से कोई प्रतिनिधित्व नहीं था। अमित अग्रवाल का नाम छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव बनने के लिए चर्चा में है। अमिताभ जैन के सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें मुख्य सचिव बनाने की अटकलें हैं। उनके सचिव पदोन्नत हो जाने के बाद देखना है कि वे छत्तीसगढ़ लौटना चाहेंगे या केंद्र में रहना पसंद करेंगे।

■ आठ साल से हैं केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर

धूलमुक्त शहर, कुत्तों की दहशत से मुक्ति का वादा, अंडरग्राउंड सीवरेज और टैंकर मुक्त शहर

ढाई दशक में नेता बदलते गए, वादे वही रहे और समस्या भी वहीं रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

27 दिसंबर को नगरीय निकाय चुनाव के लिए महापौर पद के आरक्षण की लाटरी निकलेगी। इसके साथ ही यह तय होगा कि शहर का अगला मुखिया किस वर्ग से होगा। टिकट के दावेदार शहर विकास को लेकर नए वादों की तैयारी में हैं।

नगर निगम चुनाव से पहले कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी अपने-अपने घोषणापत्र लेकर जनता के बीच पहुंचेगी। पर ढाई दशक से आम जनता राजनीतिक दलों के पुराने चुनावी घोषणापत्र और उनके कार्यो का लेखाजोखा से हैरान है। जनता से तत्कालीन चुनाव में नेताओं ने धूलमुक्त, मच्छरमुक्त, लाइलाज सीवरेज सिस्टम को भूमिगत करने, कुत्तों के खौफ से मुक्ति दिलाने और शहर को टैंकर मुक्त करने के जो लोकलुभावन वादे किये थे, वे अब तक पूरे नहीं हुए। उनको लग रहा है कि राजनीतिक दल के चुनावी घोषणापत्र लॉलीपाप से ज्यादा कुछ नहीं।

सुनील का वादा था धूल मुक्त शहर

नगर निगम के पूर्व मेयर सुनील सोनी ने अपने कार्यकाल में शहर को धूलमुक्त और मच्छरमुक्त शहर बनाने का वादा रायपुर शहर की जनता से किया। 5 साल तक मेयर रहे पर न रायपुर धूलमुक्त हुआ और न मच्छरों की मरमार से शहरवासियों को निजात दिला पाए। अलबत्ता करोड़ों रुपए खर्च कर रोड स्वीपिंग मशीन खरीदी जरूर की गई, पर कुछ महीने बाद मुख्य मार्ग पर धूल फांकने के बाद भारी भरकम मेंटनेंस खर्च के कारण किसी काम की नहीं रही। प्रदेशभर में इस तरह की 3 रोड स्वीपिंग मशीनें सफेद हाथी के रूप में सालों डंप रहीं जो बाद में कबाड़ में तब्दील हो गईं।

शारदा चौक से तात्यापारा सड़क चौड़ीकरण

सुगम यातायात के लिए शहर के मुख्य मार्ग तात्यापारा से शारदा चौक सड़क चौड़ीकरण को प्रमुख समस्या मानते हुए इसे राजनीतिक दलों ने नगर निगम चुनाव के समय चुनाव घोषणापत्र में जगह दी थी। नेता बदल गये, पर ट्रैफिक जाम की समस्या जस की तस है। दिलचस्प बात ये है, पहले किरणमयी नायक तत्कालीन भाजपा सरकार के सामने इस मुद्दे को उठाती रहीं, उनके बाद प्रमोद दुबे ने वही मुद्दा फिर उठाया। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद मेयर दोबारा इसके लिए 42 करोड़ की राशि सड़क चौड़ीकरण और प्रभावित लोगों को मुआवजा राशि देने के लिए मांगे, पर उनकी पार्टी की सरकार ने सालभर बीतने के बाद रत्तीभर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद महापौर एजाज ढेबर ने कांग्रेस की सरकार के रहते 4 साल बाद यह मुद्दा उठाया। 1 साल पहले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसका भूमिपूजन किया। इस बीच प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद एक बार फिर यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

कुत्तों के कहर से मुक्ति का अता-पता नहीं डाग शेल्टर अधूरा

पूर्व मेयर किरणमयी नायक ने अपने कार्यकाल में शहरवासियों को कुत्तों के खौफ से राहत दिलाने वादा किया था। निगम की सत्ता में 15 साल तक कांग्रेस के मेयर काबिज होने के बाद भी कुत्तों का कहर कम नहीं हुआ। अलबत्ता महापौर एजाज ढेबर ने निगम के बजट में डाग शेल्टर बनाने का प्रावधान रखा, पर डॉग शेल्टर निर्माण का काम अब तक पूरा नहीं हो पाया है। स्वयंसेवी संस्था के माध्यम से बीमार व दुघर्टना में घायल कुत्तों के उपचार और डाग सर्जरी की व्यवस्था डॉग शेल्टर में रहेगी। पूर्व महापौर प्रमोद दुबे भी जनता से अंडरग्राउंड सीवरेज सिस्टम, टैंकर मुक्त शहर जैसे लोकलुभावन वादे कर शहरी सत्ता पर काबिज हुये। पांच साल में न सीवरेज सिस्टम पर काम हुआ, न टैंकरमुक्त शहर का वादा पूरा कर पाये।

1200 से लेकर 1500, 1800 रुपए हर दिन के मिलेंगे

अब दैनिक वेतन पर रखे जाएंगे अतिथि वैज्ञानिक, कोई छुट्टी नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब तक सरकारी स्कूलों में अतिथि शिक्षक और व्याख्याता काम पर रखे जाते थे, लेकिन अब विश्वविद्यालय में दैनिक वेतन पर अतिथि वैज्ञानिक रखने की तैयारी है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में यह नियम लागू करने की तैयारी है। विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल की बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंदान केंद्रों में खाली पदों पर अतिथि वैज्ञानिक रखने के लिए अनुमोदन किया गया है। मानदेय पर अतिथि वैज्ञानिकों से 50 रुपए के स्टांप पेपर पर यह वचन लिया जाएगा कि वे कभी भी नियुक्ति को नियमित स्थायी करने के लिए किसी अधिकारी के पास नहीं जाएंगे और न ही कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी करने के साथ ही यह नियम लागू कर दिया है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान केंद्रों में स्वीकृत और रिक्त पदों के विरुद्ध संबंधित विषय के अतिथि वैज्ञानिक दैनिक वेतन पर रखे जाएंगे। अतिथि वैज्ञानिकों के लिए योग्यता कृषि, कृषि इंजीनियरिंग में, वेटिनरी, में कम से मास्टर डिग्री कम से कम 55 प्रतिशत अंकों के साथ होनी चाहिए और अच्छा एकेडिमिक रिकार्ड भी होना चाहिए। इसके साथ ही एनईटी, पीएचडी डिग्रीधारी को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही बेसिक साइंस, बेसिक इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी की योग्यता रखने वाले भी पात्र होंगे।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने लागू किया ये नियम

नियमित नौकरी का दावा भी नहीं

26 से 40 हजार रुपए महीना होगा मानेदय

अतिथि वैज्ञानिक को माह में मिलने वाले मानदेय का निर्धारण इस प्रकार किया गया है। पीएचडी और नेट परीक्षा उत्तीर्ण की योग्यता रखने वालों को 1800 रुपए रोज या अधिकमत 40 हजार रुपए मिलेंगे। पीएचडी उर्तीण को के लिए भी यही मानदेय होगा। स्नातकोत्तर(पीजी) के साथ नेट परीक्षा पास करने वालों को 1500 रुपए रोज या अधिकतम 36 हजार रुपए महीना, केवल स्नातकोत्तर(पीजी) वालों को 1200 रुपए रोज या अधिकतम 26 हजार रुपए महीना मिलेगा।

पीजी वालों को डेलीवेजेस पर 6 माह के लिए रखेंगे

यदि उच्च योग्यता के अभ्यर्थी नहीं मिलते हैं, तो विशेष परिस्थिति में संबंधित विषय में स्नातकोत्तर (पीजी) को प्रतिदिन की दर पर कार्य पर रखा जाएगा, लेकिन ऐसे अभ्यर्थी को केवल 6 माह के लिए काम पर रखा जाएगा। 6 माह बाद फिर से विज्ञापन जारी कर आवश्यक अर्हता रखने वाले अभ्यर्थी को काम पर रखा जाएगा। इन पदों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं के खाली पदों पर अतिथि वैज्ञानिक नहीं रखे जाएंगे।

ये वचन भी देना होगा स्टांप पर

अभ्यर्थी के 50 रुपए के स्टांप पेपर पर शपथपत्र देना होगा कि वे मानदेय के अतिरिक्त किसी सुविधा या भत्तों की मांग भविष्य में नहीं करेंगे। यह वचन देना होगा कि मुझे एक साल के लिए या पद नियमित रूप से भरने तक के लिए जो भी कम हो पूर्णतः अस्थायी रूप से कार्य पर रखा गया है। मेरा कार्य संतोषप्रद न होने पर मुझे एक सप्ताह के नोटिस पर कार्यमुक्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री साय आज कई कार्यक्रमों में होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 26 दिसंबर को जशपुर, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले और राजधानी रायपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्वान्ह 11.30 बजे जशपुर जिले के ग्राम बगिया से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर 11.40 बजे बगीचा विकासखंड के ग्राम घुघरी पहुंचेंगे और वहां 'आदिवासी नागवंशी समाज के वार्षिक महासम्मेलन 2024' में शामिल होंगे। इसके बाद 12.50 बजे घुघरी से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर 1.30 बजे सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम टिमरलगा पहुंचेंगे और वहां पर्वतदान (अन्न) एवं अश्वमेघ यज्ञ महोत्सव में शामिल होंगे। अपरान्ह 3.05 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर 3.50 बजे रायपुर पहुंचेंगे। जहां शाम 5 बजे राजधानी रायपुर के पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज सभागार में 'वीर बाल दिवस' पर आयोजित संगोष्ठी में शामिल होंगे।

खबर संक्षेप

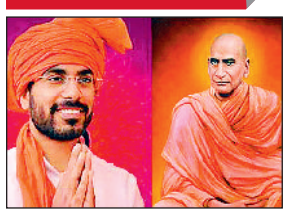

स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान दिवस पर आज व्याख्यान

रायपुर। गुरुकुल कांगड़ी के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती के अनन्य शिष्य स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती का बलिदान दिवस राजधानी रायपुर में मनाया जा रहा है। स्वामी श्रद्धानंद ने हिंदू धर्म जागरण का अलख जगाया था। वे धर्म परिवर्तन के खिलाफ थे और उन्होंने घर वापसी का कार्यक्रम जोर-शोर से चलाया था। इस बीच उनकी हत्या कर दी गई। उनके 98वें बलिदान दिवस पर पतंजलि योग एवं वैदिक सत्संग समिति द्वारा 26 दिसंबर गुरुवार को वृंदावन हॉल में वैदिक विद्वान गौतम खट्टर का व्याख्यान आयोजित है। भारत स्वाभिमान के राकेश दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि यह व्याख्यान कार्यक्रम रायपुर में पहली बार आयोजित किया जा रहा है। शाम को 6 से रात्रि 8 बजे तक यह कार्यक्रम होगा, जिसके मुख्य अतिथि डॉ. पूर्णेंदु सक्सेना होंगे। कार्यक्रम के आयोजन में भारत स्वाभिमान, किसान सेवा समिति, युवा भारत, पतंजलि योग समिति, वैदिक सत्संग समिति एवं हिंदू जागरण मंच की सहभागिता है।

अटलजी के जन्मदिन पर छसपा ने किया नमन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की प्रमुख आंदोलनकारी छत्तीसगढ़ी समाज पार्टी के अध्यक्ष अनिल दुबे, जीपी चंद्राकर, दीनदयाल वर्मा, जागेश्वर प्रसाद, लालाराम वर्मा, चेतन देवांगन, वेगेंद्र सोनवेर, विमल ताम्रकार, बृजबिहारी साहू, अशोक कश्यप, गोवर्धन वर्मा, गिरधारी ठाकुर, चंद्रप्रकाश साहू आदि ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता, भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को उनके जन्मदिन पर याद करते हुए नमन किया। साथ ही राज्य के मुखिया विष्णु देव साय सहित उनके मंत्रिमंडल के नेताओं को याद दिलाया कि शोषण मुक्त छत्तीसगढ़ राज्य की दिशा में प्रदेश में कार्ययोजना को लागू करें, तभी छत्तीसगढ़ में सुशासन आएगा।

स्मृति सम्मान के लिए 8 महिला पत्रकारों का चयन

रायपुर। स्व. आशा इकबाल की स्मृति में 13वें वर्ष प्रदेश के विभिन्न जिलों की 8 महिला पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा आयोजन संस्था द्वारा जिन महिला पत्रकारों का चयन किया गया है, उनमें रायपुर से तृप्ति सोनी, आफताब बेगम, मनीषा निषाद, शाहीन कुरैशी, निशा द्विवेदी, दुर्ग से विजयलक्ष्मी चौहान, जांजगीर-चांपा से सीता टंडन, कोरबा से लालिमा शुक्ला के नाम हैं जल्द ही आयोजन की तिथि घोषित की जाएगी।

निधन

विजय कुमार बोरा

रायपुर। श्याम नगर निवासी विजय कुमार बोरा का 24 दिसंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 25 दिसंबर को मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे दुर्गा दास बोरा के ज्येष्ठ पुत्र, भोलानाथ बोरा के भतीजे थे।

सरकारी कॉलेजों का ऐसा दबदबा...मेरिट लिस्ट के 202 विद्यार्थियों में मात्र 8 निजी महाविद्यालयों से

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा स्नातकोत्तर कक्षाओं की मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है। प्रत्येक वर्ष शासकीय महाविद्यालय ही शीर्ष पर रहते हैं, लेकिन इस बार शासकीय महाविद्यालयों का ऐसा दबदबा है कि विभिन्न विषयों की जारी की गई मेरिट लिस्ट में जगह बनाने वाले 202 विद्यार्थियों में से सिर्फ 8 छात्र ही निजी महाविद्यालयों से हैं। मेरिट लिस्ट के अन्य सभी विद्यार्थी शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत हैं। इसमें भी रविवि अध्ययनशाला का वर्चस्व है। हालांकि कई पाठ्यक्रम ऐसे हैं, जिनका संचालन केवल रविवि अध्ययनशाला में ही होता है, इसलिए इसके शीर्ष-10 में स्वतः रविवि के छात्रों ने अपनी जगह बना ली है।

कई ऐसे विषय भी हैं, जिनका अध्यापन रविवि यूटीडी के अलावा शासकीय और निजी दोनों ही महाविद्यालयों में होता है। इन विषयों में भी रविवि अध्ययनशाला के विद्यार्थी ही बाजी मारकर ले गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रविवि अपनी अध्ययनशाला में छात्रों के दाखिले प्रवेश परीक्षा के जरिए स्क्रूटनी करके लेता है। शीर्ष विद्यार्थी यहां प्रवेश लेते हैं, इसलिए उनका प्रदर्शन बेहतर रहता है।

प्रावीण्य सूची में रविवि अध्ययनशाला के विद्यार्थियों का ही दबदबा

गणित में लड़कियों का दबदबा

एमए गणित में 10 में से 9 विद्यार्थी शासकीय विद्यालय के हैं। इनमें मात्र 3 लड़के हैं, शेष सभी लड़कियां हैं। गृह विज्ञान सामान्यतः महिला महाविद्यालयों में ही उपलब्ध है, इसलिए इसमें लड़कियों ने ही जगह बनाई है। एमएससी होमसाइंस के मेरिट लिस्ट में जगह बनाने वाले सभी 9 विद्यार्थी शासकीय मिनीमाता महाविद्यालय बलौदाबाजार के हैं। इसी तरह एमए संस्कृत के सभी छात्र रायपुर के शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के हैं।

ऐसे हैं आंकड़े

एमए इंग्लिश में 10 में 4 छात्र प्राइवेट के हैं तथा शेष शासकीय महाविद्यालय के हैं। इसी तरह से एमएससी गणित में 1 छात्र निजी, एमएससी जूलॉजी में 2 तथा एमएससी माइक्रोबायोलॉजी में 1 विद्यार्थी निजी महाविद्यालय से तथा शेष शासकीय महाविद्यालय से हैं। इन विषयों के अलावा एमए हिंदी, एमए अर्थशास्त्र, एमए भूगोल, एमए मनोविज्ञान, एमए संस्कृत, एमए छत्तीसगढ़ी, एमएससी फिजिक्स, एमएससी बायोसाइंस, एमएससी बायोटेक, एमएससी सांख्यिकी, एमएससी होमसाइंस, एमएससी एंथ्रोपोलॉजी, एमएससी पर्यावरण विज्ञान, एमएससी बॉटनी, एमएससी आईटी, एमएससी जियोलॉजी के सभी शीर्ष-10 विद्यार्थी शासकीय कॉलेज में अध्ययनरत हैं।

15 दिनों के भीतर पेश करनी होगी आपत्ति

फिलहाल केवल स्नातकोत्तर कक्षाओं की मेरिट लिस्ट घोषित की गई है। स्नातक कक्षाओं की मेरिट लिस्ट अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। जारी की गई मेरिट लिस्ट में दावा-आपत्ति 15 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। मेरिट जारी करने के साथ ही रविवि ने इससे संबंधित अन्य दिशा-निर्देश भी अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले छात्रों को रविवि के दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल दिए जाएंगे।

भारी वाहन प्रतिबंधित, ऑटो और कार से चार किमी जाम, भीड़ ज्यादा, फैली अव्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सेजबहार में पं. प्रदीप मिश्रा से श्री शिव महापुराण कथा सुनने वालों के लिए बनाई गई व्यवस्था भी दूसरे दिन ध्वस्त हो गई। कथा शुरू होने से डेढ़-दो घंटे पहले वीआईपी पास लेकर पहुंचे लोगों को कार्यकर्ता रोक रहे थे। इनमें बच्चे लेकर पहुंची महिलाएं भी शामिल थीं। कुछ देर के लिए धक्का-मुक्की की स्थिति बनी, तो पुलिस ने मोर्चा संभाला। इसके बाद कार्यकर्ता लाठी-डंडे से श्रद्धालुओं को बैठने के लिए सामान बेचने वालों और खरीदने वाले श्रद्धालुओं पर भी डंडे लहराने लगे।

■ **वीआईपी पास व मीडिया से धक्का-मुक्की, निराश होकर सैकड़ों लौटे, दूसरे दिन चरमराई व्यवस्था**

खुले आसमां के नीचे जमे लोग

करीब दो लाख श्रद्धालुओं के लिए की गई बैठक व्यवस्था कथा शुरू होने से पहले ही ठसाठस भर गई थी। इसके बाद जो लोग पहुंचे, उन्हें खुले आसमां के नीचे चटाई, कपड़े और रूमाल बिछाकर कथा सुनना पड़ा। जो लोग दूर-दराज से आए, वे तो जमे रहे, लेकिन टिकरापारा, संतोषी नगर, सेजबहार क्षेत्र के लोग अव्यवस्था और कार्यकर्ताओं का व्यवहार देखकर लौट गए। जो कथा का हिस्सा बने, उन्हें शाम को भी करीब दो घंटे ट्रैफिक जाम का हिस्सा बनना पड़ा।

ई-रिक्शा, ऑटो व कारों का रेला

भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित करने के साथ ही सेजबहार इंजीनियरिंग कॉलेज, भखारा होकर धमतरी आवागमन करने वाले कार चालक व ऑटों व ई-रिक्शा चालक कथा स्थल तक पहुंचे। उनको नहीं रोका गया, क्योंकि कथा स्थल के आसपास दोनों छोर पर 8 से 10 जगह पार्किंग थी। कथा खत्म होने से पहले सड़क पर ऑटो व कारों का रेला बढ़ने से करीब 4 किलोमीटर तक ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी। इससे व्यवस्था बनाने बल का अभाव भी देखने को मिला।

शहर से करीब 12 किलोमीटर दूर सेजबहार में मंगलवार को पहले दिन कथा स्थल तक जाने वाले लोगों के बीच व्यवस्था बनाने के लिए रायपुर से जाने वाले ऑटो और कारों को कमल विहार व डूंडा पुलिया के पास रोका गया। वहीं बुधवार को सेजबहार इंजीनियरिंग कॉलेज के पास रोकने के बजाय श्रद्धालुओं को लेकर आने वाले वाहनों को छूट दी गई। इससे ऑटो वालों ने सड़क किनारे ही जगह-जगह ठीहा बनाया। जो श्रद्धालु प्रवेश नहीं मिलने से बाहर निकले, उन्हें शाम 4 बजे तक छोड़ने के लिए आते-जाते रहे। वहीं शाम 5 बजे कथा समापन के बाद कमल विहार तक ट्रैफिक जाम लगा। कुछ ऐसा ही नजारा इंजीनियरिंग कॉलेज व धमतरी रूट तक रहा।

दिसंबर में 119 और 26 जनवरी तक प्रदेश में 151 जन औषधि केंद्र, मिलेगी सस्ती दवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोगों को सस्ती जेनेरिक दवा उपलब्ध कराने के लिए दिसंबर अंत तक राज्य में जन औषधि केंद्रों की संख्या 68 से बढ़कर 119 हो जाएगी। 26 जनवरी तक इनकी संख्या 151 और मार्च तक 200 होगी। प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्र खोले जाने की तैयारी है। इन केंद्रों पर दवाइयां खुले बाजार की तुलना में 50 फीसदी से 90 फीसदी तक कम कीमत पर उपलब्ध होती हैं।

■ **सभी सरकारी अस्पतालों में खोले जा रहे, मार्च तक 200 केंद्रों का लक्ष्य**

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर लोगों सस्ती कीमतों में दवा उपलब्ध कराने जन औषधि केंद्रों के विस्तार की योजना बनाई गई है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत सभी जिलों में जन औषधि केंद्र स्थापित किया जा रहा है। 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के जन्मदिवस एवं सुशासन दिवस के अवसर पर राज्य के शासकीय चिकित्सालयों में जन औषधि केंद्र प्रारंभ करने की शुरुआत की गई है। माह के अंत तक राज्य में 51 नवीन जन औषधि केंद्रों का संचालन किया जाएगा। अभी राज्य में 68 जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे थे जिनकी संख्या दिसंबर अंत तक 119 हो जाएगी। 26 जनवरी तक राज्य में 151 जन औषधि केंद्रों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है एवं 31 मार्च 2025 तक राज्य में 200 जन औषधि केंद्रों की स्थापना एवं संचालन किया जाएगा। समस्त शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों से संबद्ध चिकित्सालयों, जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं अन्य शासकीय अस्पतालों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों का संचालन अस्पताल प्रबंधन अथवा रेड क्रॉस सोसाइटी के माध्यम से किया जाएगा।

पेज 11 के शेष ...

महंगाई दर थोड़ी...

जीरे में राहत, मिर्च तीखी, हल्दी फीकी, इलायची की खुशबू गायब : जीरा पिछले वर्ष 400 रुपए किलो तक पहुंच चुका था। इस वर्ष यह 280 रुपए किलो पर आकर रुका। हल्दी की कीमत 140 रुपए किलो थोक में है, यह भी इस दशक के शुरुआती कीमतों से अधिक है। अधिकतर राजस्थान से आने वाला खड़ा धनिया 80 से 85 रूपए किलो तक बिका। चाय और हलवे में फ्लेवर के लिए इलायची डालना घाटे का सौदा है। यह गुणवत्ता के आधार पर 2 हजार से 3 हजार किलो तक में बिक रहा है। अन्य मसाले भी बीते पांच सालों के उच्चतम दर पर हैं।

एडवांस नहीं मिलने से...

की नौकरी कर रहा है। 20 दिसंबर को पिता की मौत होने के बाद राजेश ने अपने मालिक से एडवांस मांगे। इस पर निखिल ने राजेश को एडवांस देने से मना कर दिया। इससे नाराज होकर पिता का अंतिम संस्कार करने के बाद मंगलवार को राजेश निखिल की दुकान में पहुंचा और उसके साथ हाथापाई करने लगा। मौके पर उपस्थित कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

केरोसिन डाल कार में...

लगा दी। आग से कार का सामने का चक्का बुरी तरह से जल गया है। घटना के बाद आरोपी फरार है। पुलिस ने आरोपी की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने की बात कही है।

पटवारियों का ऑनलाइन बस्ता....

राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रांत अध्यक्ष भागवत कश्यप का कहना है, ऑनलाइन कार्यों के लिए आज तक प्रदेशभर पटवारियों को किसी भी प्रकार का संसाधन और संसाधन भत्ता उपलब्ध नहीं कराया गया है। उसके बाद भी पटवारियों द्वारा नौकरी बचाने मजबूरी में निजी अथवा किराये के संसाधन से कार्य का संपादन किया जाता रहा है। राजस्व पटवारी संघ ने कई बार शासन तक अपनी समस्या पहुंचाई, पर अब तक किसी तरह की पहल नहीं होने से प्रदेशभर के हजारों पटवारी निराश हैं। समस्या का निराकरण नहीं होने की स्थिति में हमने 16 दिसंबर से सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार कर दिया है। साथ ही वे सभी सरकारी व्हाट्सग्रुप से लेफ्ट हो गये हैं। इससे राजस्व महकमा का ऑनलाइन कार्य गड़बड़ा गया है।

अस्पतालों में बना...

डाक्टरों के संध्या काल में निरीक्षण का सिस्टम बनाया है। अक्सर यह शिकायत सामने आती है कि ओपीडी के बाद सीनियर डाक्टर अस्पताल से नदारद हो जाते हैं और मरीजों के इलाज की जिम्मेदारी जूनियर डाक्टरों के भरोसे हो जाती है। व्यवस्था में सुधार के लिए सिस्टम बनाने के साथ सीएमई द्वारा नियमित रूप से इसकी मानिटरिंग की जा रही है अस्पतालों से ईवनिंग ड्यूटी में राउंड लेने वाले डाक्टरों की उपस्थिति रजिस्टर की जानकारी जा रही है।

डाक्टरों को स्पष्ट निर्देश है कि उन्हें शाम के वक्त ड्यूटी पर आना होगा नहीं तो उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त की इस सख्ती के बाद प्रदेश सभी 10 चिकित्सा महाविद्यालयों से संबंधित अस्पतालों में इसका असर नजर आने लगा है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा ऑन कॉल ड्यूटी पर रहने वाले कंसलटेंट डाक्टरों को शाम 6 से रात्रि नौ बजे के बीच राउंड लेने अस्पताल बुलाया जा रहा है। ड्यूटी के दौरान उन्हें बाकायदा उपस्थिति रजिस्टर में साइन भी करना होता है, जो विभिन्न माध्यमों से चिकित्सा शिक्षा आयुक्त तक नियमित रूप से पहुंचता है।

फील्ड से गायब...

ऐसी स्थिति में फील्ड से गायब रहने वाले वनकर्मियों की पहचान के लिए विभाग ने मोबाइल देने की योजना बनाई है। वन विभाग में फील्ड के साथ मैदानी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मियों के साथ अफसरों को एम-स्ट्रीप के माध्यम से मौके पर फोटो खींच कर अपलोड कर अपने अफसरों को पास भेजे जाने का नियम है। वन विभाग ने अपने सभी कर्मियों को पूर्व में मोबाइल आबंटित किया है। इनमें से कई वनकर्मी ऐसे हैं, जिनका मोबाइल खराब हो गया है या चोरी हो गया है। उन लोगों ने अब तक मोबाइल नहीं लिया है। ऐसे कर्मियों को वन अफसर ने नए सिरे से मोबाइल देने व्यवस्था करने की बात कही है।

वन अपराध पर अंकुश...

में फोटो खींचकर एम-स्ट्रीप में अपलोड कर भेजने होंगे। इसमें वनकर्मियों के लोकेशन के साथ समय, तारीख तथा दिन का उल्लेख रहेगा।

एफओबी पर गर्डर...

परेशानी उठानी पड़ेगी। ब्लाक की वजह से 29 दिसंबर को नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी एवं टाटानगर के बीच आवाजाही करने वाली एक्सप्रेस रद्द रहेगी। इसके पूर्व 28 दिसंबर को हैदराबाद से रक्सौल के लिए छूटने वाली स्पेशल ट्रेन 4 घंटे, सिकंदराबाद से दरंभगा जाने वाली ट्रेन एक घंटे विलंब से रवाना होगी। 29 दिसंबर को दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस दुर्ग से अपने निर्धारित समय से पांच घंटे विलंब से रवाना होगी। ठंड के मौसम में ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होने की वजह से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

नये साल में रोड स्वीपिंग मशीन से सफाई का बढ़ेगा दायरा, 66 किलोमीटर दायरे का नया रूट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नए साल में रोड स्वीपिंग मशीन से सफाई का दायरा बढ़ाया जायेगा। इसके लिए 66 किलोमीटर दायरे का नया रूट चार्ट तैयार किया गया है। यानी ज्यादा से ज्यादा सड़कों पर इसके जरिये धूल कम की जायेगी। अभी तक 86 किलोमीटर दायरे वाली सड़क की मेकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीन से सफाई हो रही है। साथ ही रोड स्वीपिंग एजेंसी को 2 साल का अतिरिक्त समय दिया गया है। अनुबंधित एजेंसी अब 4 की जगह 6 रोड स्वीपिंग मशीन चिन्हांकित सड़कों को चकाचक करने उतारेगी।

दरअसल, शहर की सड़कों पर उड़ने वाली बारीक धूल के कण की सफाई करना निगम के लिए एक बड़ी चुनौती रही। मेनुवल तरीके से सड़क की सफाई के दौरान उड़ने वाले धूल के बारीक कण की सफाई नहीं हो पा रही थी। आमतौर पर कंस्ट्रक्शन मटेरियल, तोड़फोड़ और सड़कों पर उड़ने वाली धूल के कण पीएम-10 के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसे हटाने मेट्रो सिटी की तर्ज पर रायपुर नगर निगम ने मेकेनाइज्ड स्वीपिंग सिस्टम को अपनाया है। इसके तहत ग्लोबल गूच वेस्ट मैनेजमेंट एलएपी कंपनी के साथ वर्ष 2021 में 4 साल के लिए अनुबंध किया गया। अनुबंध के अनुसार एजेंसी द्वारा शहर के 86 किलोमीटर दायरे वाली सड़क की मशीन से रात्रिकालीन सफाई कराने 5 रोड स्वीपिंग मशीन उपलब्ध कराई गई है।

66 किलोमीटर दायरे का नया रूट इस तरह

- बूढ़ेश्वर मंदिर से पुलिस लाइन गेट
- चांदनी चौक से नीलकंठेश्वर मंदिर तक
- सिद्धार्थ चौक से कमलविहार गेट तक
- एम्स हास्पिटल से हीरापुर चौक
- रेलवे स्टेशन से फुंडहर चौक
- मेकाहारा से एमएमआई हास्पिटल फ्लाईओवर
- सिद्धार्थ चौक से कमल होटल
- जगन्नाथ चौक से महोबा बाजार जोन 8 तक
- अटल एक्सप्रेस वे चौक से कमलविहार चौक तक
- सिटी सेंटर मॉल से किसान बाजार तक
- पंडरी कपड़ा मार्केट से सिटी सेंटर मॉल होते हुए झंडा चौक तक
- लोधीपारा चौक से विधानसभा गेट नंबर 3
- तेलघानी नाका से खालबाड़ा चौक होते हुए जगन्नाथ चौक
- भारतमाता चौक से गोंदवारा चौक
- विश्वरैया चौक से नेताजी चौक तक
- उषा प्राइड से रामकी पार्किंग
- टाटीबंध चौक से भनपुरी चौक तक
- तात्यापारा चौक से तेलघानी चौक
- फुंडहर चौक से एयरपोर्ट तक

83 किलोमीटर दायरे के पुराने रूट इस तरह

- पुरानी बस्ती से लाखेनगर
- लाखेनगर से रायपुरा होते हुए महादेवघाट
- रायपुरा चौक से गोल चौक होते हुए एनआईटी
- सुंदरनगर से धुप्पड़ चौक, धुप्पड़ चौक से समता कालोनी, चौबे कालोनी
- कटोरा तालाब से कपूर हॉटल
- नेताजी चौक से रिंगरोड तक
- रिंग रोड से राजेन्द्र नगर मार्ग
- कटोरातालाब से शैलेन्द्र नगर वाया पुजारी पार्क
- पुजारी पार्क से टैगोर नगर रोड
- भगतसिंह चौक वाया जोगी बंगला होते हुए लक्ष्मीदेवी हास्पीटल से मेमन हास्पीटल शैलेन्द्र नगर
- ओसीएम चौक से सतपथी चौक, गुरूनानक चौक से श्यामनगर चौक
- बस स्टैंड से भाठागांव ओवरब्रिज तक
- कैलाशपुरी से बूढ़ापारा चौक, पेंशनबाड़ा से कालीबाड़ी चौक, शास्त्री चौक से महिला थाना, महिला थाना से सिद्धार्थ चौक
- काली मंदिर से कलेक्टोरेट तक

इसी तरह अन्य चिन्हांकित रूट की सड़क पुराने रूट में शामिल है।

ईश्तहार

पत्र क्रं /16670./ न. पा. नि. /
जोन क्रं - 1/2024
नामंतरण प्र.क्र. 16670
वार्ड का नाम -17 - ठक्कर बापा वार्ड
रायपुर, दिनांक 24-12-2024

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR108A00695 जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती RAHUL PADALIA पिता / पति श्री / श्रीमती MANSUKH PADALIA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती INDU KUMARI पिता / पति श्री / श्रीमती ARUN KUMAR SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर जिला रायपुर छ.ग.
ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202412110500013
ब / 121 वर्ष 2024-25
ग्राम बेलभाठा, प.ह.नं. 27 तहसील अभनपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवनारायण देवांगन पिता श्री लक्ष्मण लाल देवांगन निवासी- मेन रोड देवपुरी तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम बेलभाठा प.ह.नं. 27 रा.नि.मं. व तहसील अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. में स्थित परिवर्तित भूमि ख.नं. 226/6 का भाग रकबा 2000 वर्गफुट को बैनामा पंजीयन के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व प्राप्त किया है। उक्त भूमि का विधिक नामांतरण वि.क.अ. रायपुर का प्र.क्र. 1755 अ/6 वर्ष 2009-10 आदेश दिनांक 10/08/2010 अनुसार परिवर्तित भूमि ख.नं. 226/6 का भाग रकबा 2000 वर्गफुट आवेदक के नाम पर दर्ज कर अभिलेख दुरूस्त किया गया। किन्तु वर्तमान ऑनलाईन कम्प्यूटर रिकार्ड में आवेदक के नाम पर ख.नं. 226/6 दर्ज नहीं है। अतएव आवेदक द्वारा उक्त भूमि ख.नं. 226/6 रकबा 2000 वर्गफुट भूमि को ऑनलाईन कम्प्यूटर रिकार्ड में अपने नाम पर दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी दिनॉक 10/01/2025 तक न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से लिखित में पेश कर सकते है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति या दावा पर विचार नही किया जायेगा। आज दिनॉक 24/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
अभनपुर, जिला रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर छत्तीसगढ (छ.ग.)
// ईश्तहार //

रा.प्र.क्रमांक / अ-6(अ) / 2024-2025
रायपुर, दिनांक 21/12/2024

एतद द्वारा सर्वे साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री भूपेन्द्र पिता शंकरलाल जैन निवासी- अमलीडीह रायपुर ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि ग्राम अमलीडीह प.ह.नं. 69 रा.नि.मं. रायपुर-11 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 28/18 रकबा 0.0370 हे. भूमि का धारित किया जाता है। आवेदित भूमि को आवेदक द्वारा पूर्व में विधिवत सीमांकन कराया गया जिसका राजस्व निरीक्षक रायपुर-02 एवं हल्का पटवारी द्वारा विधिवत सीमांकन कर प्रतिवेदन दिनांक 29/10/2004 को प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदन पश्चात न्यायालय तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र. 19/अ-12 वर्ष 2004-05 आदेश दिनांक 02/03/2005 को आदेश कर आवेदक को सत्यप्रतिलिपि प्रदान कर प्रकरण नस्तिबद्ध किया गया किन्तु ऑनलाईन में वाद भूमि का नक्शा बटांकन नही होने से आवेदक द्वारा पूर्व में कराये गये सीमांकन के आधार पर नक्शा बंटाकन करने आवेदन पत्र, के समर्थन में,बी-1 नक्शा, सीमांकन प्रतिवेदन की छायाप्रति भी संलग्न कर मांग किया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 09/01/2025 को होगी।

अतएव आवेदित भूमि का नक्शा बटांकन किये जाने से जिस किसी को कोई आपत्ति हो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 09.01.2025 को इस न्यायालय में पेश करें। बाद मियॉद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21.12.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
रायपुर

-ईश्तहार-

पत्र क्रं / 15770/ न.पा.नि./ जोन क्रं- 8 /2024
रायपुर, दिनांक 24.12.2024
नामंतरण प्र.क्र. 15770
वार्ड का नाम 02 पं.जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/ भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802G00100 जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती MULUK SINGH पिता/ पति श्री/श्रीमती LT. HARBANSH SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती संदीप गाडगील पिता / पति श्री/श्रीमती श्री श्रीधर विष्णु गाडगील ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर), जोन क्रं. 08
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

Health Town

K'sagar's श्रेयन आयुर्वेद व पंचकर्म चिकित्सालय
श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
(संतुलन से भरा आयुर्वेद, स्वस्थ्य जीवन का राज)
वैद्य-डॉ.पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
Mob.: 9111922122, 9111912122,0771-3558564
उपलब्ध पंचकर्म
• बस्ति
• उत्तर बस्ति
• जानु बस्ति
इत्यादि।
पता :- B-22 जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र
न्यूरो-पंचकर्मा चिकित्सा केन्द्र, रायपुर मो. 9039050422, 91794 55561
डॉ. के.बी. श्रीनिवास राव
INTL Ayurvedic Consultant
राज्य अलंकरण अवार्ड से सम्मानित
• स्लीप डिस्क, आर्थराइटिस • Back Pain, सायटिका • जोड़ो में दर्द, मांसपेशियों में दर्द
• जकड़न (Stiffness) व नशों का दबना • टेंडन एवं लिगामेंट इंजरी • सर दर्द, पॅरालिसीस • स्पांडिलाइटिस • गठिया रोग
अशोक विहार, स्ट्रीट नंबर 5, सरस्वती दाल मिल के सामने, मंडी गेट के सामने, पंडरी रायपुर। मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

साधक परिवार ने निशुल्क बांटे तुलसी के पौधे

रायपुर। साधक परिवार की ओर से बुधवार को तेलीबांधा मुख्य द्वार स्थित प्याऊघर के पास लोगों को तुलसी के पौधों का निशुल्क वितरण किया गया। साथ ही लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प पत्र भराया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम में विद्यार्थी और आम जनता को भारतीय संस्कृति में तुलसी की महत्ता बताते हुए तुलसी पूजन दिवस की जानकारी दी गई। साधक परिवार के सदस्यों ने इस मौके पर कहा, तुलसी को हिंदू धर्म में माता लक्ष्मी का स्वरूप और भगवान विष्णु की प्रिया माना गया है। तुलसी के बिना किसी भी पूजा को पूर्ण नहीं माना जाता। इसके अलावा, तुलसी का पौधा पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। इस दिन तुलसी माता की पूजा व 108 परिक्रमा करने से परिवार और समाज में सुख-शांति और समृद्धि का आगमन होता है।

बिरगांव में 50 लाख के अटल परिसर निर्माण का भूमिपूजन

रायपुर। देश के भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई के जयंती पर बिरगांव नगर निगम क्षेत्र के उरकुरा वार्ड क्रमांक 16 में 50 लाख की लागत से बनने वाले अटल परिसर का प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वर्चुअल माध्यम से भूमिपूजन किया। वहीं भूमिपूजन के पश्चात रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज जो छत्तीसगढ़ अलग राज्य है, वह भारत रत्न प्रधानमंत्री अटलजी की देन है। बिरगांव महापौर नंदलाल देवांगन ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेई एक ऐसे राजनेता थे, जिनका सभी दल के नेता सम्मान करते थे। भूमिपूजन कार्यक्रम में सभापति कृपाराम निषाद, नेता प्रतिपक्ष ओमप्रकाश साहू, एमआईसी सदस्य ऊबारन दास बंजारे, बिरगांव निगम कमिश्नर जुगल किशोर उर्वशा, कार्यपालन अभियंता डीएल. देवांगन, राम साहू, पार्षद एवं बिरगांव मंडल अध्यक्ष होरीलाल देवांगन, पार्षद केहरू साहू, पार्षद प्रतिनिधि डेविड साहू, शरद साहू एवं क्षेत्र की जनता के अलावा निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

आईटीआई अनुदेशक विश्वकर्मा का सम्मान एवं प्रशिक्षु सम्मेलन 28 को

रायपुर। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रायपुर के 1975-76 से 1980-81 के

प्रशिक्षु छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सालांत में एकत्रित होंगे और अपनी यादें ताजा करेंगे। इस दौरान हिंदी स्टेनोग्रॉफी के तत्कालीन अनुदेशक एवं नेता प्रतिपक्ष मध्यप्रदेश भोपाल के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी बिशन लाल विश्वकर्मा का सम्मान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उनके शिष्य शामिल होने की संभावना है। वरिष्ठ प्रशिक्षु प्रदीप चौधरी ने बताया कि तत्कालीन अनुदेशक श्री विश्वकर्मा के शिक्षण प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में प्रशिक्षुओं ने शिक्षा अर्जन किया और उन्होंने देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में अपनी सेवाएं दीं। कई प्रशिक्षु सेवानिवृत्त हो चुके हैं और कई प्रशिक्षु अभी भी महत्वपूर्ण संस्थानों से जुड़े हुए हैं। वे इसका श्रेय अपने गुरुदेव तत्कालीन अनुदेशक श्री विश्वकर्मा को देते हैं। श्री चौधरी ने बताया कि श्री विश्वकर्मा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रायपुर में 1975 से 1981 तक अनुदेशक पद पर कार्यरत रहे। तब से वे मध्यप्रदेश विधानसभा के अलावा मंत्रिमण्डल के विभिन्न सदस्यों के साथ जुड़े रहे हैं। वर्तमान में भी वे नेता प्रतिपक्ष मध्यप्रदेश, भोपाल के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी की जिम्मेदारी सम्हाल रहे हैं। श्री चौधरी ने बताया कि यह कार्यक्रम 28 दिसंबर को जीई रोड स्थित एक होटल में आयोजित है।

एक माह में भी परीक्षा फॉर्म नहीं भर सके छात्र, अर्जियों से हलाकान रविवि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि ने वार्षिक परीक्षाओं के लिए आवेदन तिथि में एक बार फिर से वृद्धि कर दी है। छात्र अब 100 रुपए विलंब शुल्क के साथ 2 जनवरी तक आवेदन कर सकेंगे। रविवि ने वार्षिक परीक्षाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया नवंबर माह में शुरू की थी। एक माह में भी थोक में ऐसे छात्र थे, जो परीक्षा फॉर्म नहीं भर सके। इनके द्वारा रविवि को परीक्षा फॉर्म भरने के लिए बड़ी संख्या में आवेदन दिए गए। इसके बाद रविवि ने अंततः पुनः तिथि में वृद्धि कर दी है। हालांकि आवेदन में यह वृद्धि केवल वार्षिक परीक्षाओं के लिए की गई थी। स्नातक प्रथम वर्ष में मौजूदा सत्र से सेमेस्टर पद्धति लागू हो चुकी है। ऐसे में वे विद्यार्थी जो स्नातक परीक्षाओं में स्वाध्यायी छात्र के रूप में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें परीक्षा फॉर्म भरने के लिए दोबारा मौका नहीं मिलेगा।

रविवि द्वारा जारी की गई अधिसूचना में आवेदन के लिए पात्र और अपात्र विद्यार्थियों की जानकारी प्रदान की गई है। महाविद्यालयों को भी तिथि वृद्धि के संदर्भ में सूचित कर दिया गया है।

खास खबर

- 100 रुपए विलंब शुल्क के साथ 2 जनवरी तक कर सकेंगे आवेदन
- स्नातक प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को नहीं मिलेगा मौका

फिर बढ़ाई आवेदन तिथि

पीएचडी साक्षात्कार 6 जनवरी से

विवि द्वारा पीएचडी साक्षात्कार तिथियों की भी घोषणा कर दी गई है। पीएचडी के लिए साक्षात्कार 6 से 9 जनवरी तक होंगे। विषयवार इसके लिए तिथियां निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि 2024 से पीएचडी प्रवेश परीक्षाओं के नियमों में बदलाव किया गया है। अब लिखित परीक्षा के साथ ही साक्षात्कार भी अनिवार्य होंगे। 70 फीसदी अंकों का निर्धारण लिखित परीक्षा के माध्यम से होगा, जबकि शेष 30 फीसदी अंकों का निर्धारण इंटरव्यू के अंक करेंगे। विस्तृत अधिसूचना रविवि ने अपने आधिकारिक वेबसाइट में अपलोड कर दी है।

शहर में लोगों को सुविधा देने 2.60 करोड़ खर्च करने के बाद सुध नहीं लेने से बिगड़ी व्यवस्था

ई-टॉयलेट का सिस्टम फेल, सेंसर-गेट व बॉडी चोरी, अब मेंटेनेंस के अभाव में निर्माण कबाड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर में स्मार्ट सिटी और रायपुर निगम ने लोगों को सुविधा देने के लिए कई तरह के प्रयोग किए हैं। इनमें से एक प्रयोग ई-टॉयलेट की सुविधा देने को लेकर 2019 में भी किया गया। इस प्रोजेक्ट को राहगीरों की सुविधा के लिए शुरू करने के बाद जिम्मेदार सुध नहीं ले रहे हैं। इससे जिन 6 स्थानों पर 2.60 करोड़ खर्च करके टॉयलेट निर्माण करवाया गया, वे सभी लंबे समय से कबाड़ हो रहे हैं। इसमें लगाए सेंसर, वाटर लाइन के साथ ही गेट व बॉडी भी चोरी होने लगे हैं।

राजधानी में दूर-दराज से आने वाले लोगों और राहगीरों की सुविधा के लिए अलग-अलग 6 रूट पर 32 यूनिट ई -टॉयलेट बनाने के लिए जिस कंपनी को काम दिया, उसने निर्माण के बाद टेंडर शर्तों का पालन करते हुए 3 साल मेंटेनेंस किया। इसके बाद सभी ई- टॉयलेट को संबंधित जोन सीमा से जोड़ते हुए हैंडओवर कर दिया। इसके बाद से इनके मेंटेनेंस और संचालन के लिए जिम्मेदारों ने कोई व्यवस्था नहीं बनाई। नतीजा यह है कि अब किसी स्पाट पर बना ई-टॉयलेट यूनिट उपयोग के लायक नहीं बचा है। यह खुलासा हरिभूमि द्वारा की गई स्पाट जांच में हुआ है। इस सुविधा का उपयोग करने के लिए तय 1, 2 का सिक्का डालने के लिए गेट के पास लगा सेंसर भी गायब हो गया है।

हरिभूमि सरोकार

इन स्थानों पर बने ई-टॉयलेट

पाया गया कि निगम सीमा में जीई रोड स्थित सरस्वती नगर थाने की बाउंड्री के पास लगाए गए यूनिट की सुविधा लंबे समय से नहीं मिल रही है। इसी तरह एम्स गेट नं.02 गुरुद्वारा के पास करवाया गया निर्माण भी अनुपयोगी हो गया है। आरडीए तिवारी स्कूल के पास बनाए गए ई-टॉयलेट बुथ की ग्रिन लाइट भी नहीं जलती है। कटोरातालाब के पास बनवाया गया यूनिट तो पूरी तरह से कबाड़ हो गया है। आनंद नगर चौक और मेकाहारा हॉस्पिटल मेन गेट के पास करवाया गया निर्माण भी लोगों के काम नहीं आ रहा है।

ऑटो फ्लश, यूनिट बॉडी भी खराब

लाखों की लागत से बनवाए गए ई- टॉयलेट की खासियत निर्माण के दौरान यह बताई गई कि यह ऑटोमेटिक होगा , यानि बिना पैसे डाले दरवाजा नहीं खुलेगा। ऑटो फ्लश, स्टेन लेस स्टील का उपयोग करके सभी यूनिट की बॉडी बनाई जाएगी। इसके इस्तेमाल की वजह से यूनिट को मजबूत बनाया गया। ई-टॉयलेट में विज्ञापन के साथ सिग्नल के जरिए दरवाजे का इंडीगेशन भी बताया गया। हालांकि यह सब सिस्टम अब ठप पड़ा है। ई-टॉयलेट में अब लोग जाने की बजाय इसकी बदबू के चलते दूरी भी बनाने लगे हैं।

फैक्ट फाइल

- प्रति टॉयलेट की लागत- 8.12 लाख
- 06 स्थानों पर लगाए 32 यूनिट
- 01 साल में हुआ निर्माण
- 2.60 करोड़ हुआ खर्च
- 05 साल में सुविधा कबाड़

जल्द करवाई जाएगी जांच

जिन-जिन स्थानों के ई-टॉयलेट में समस्या बता रहे हैं, उनकी वस्तुस्थिति की जांच करवाई जाएगी। जहां तकनीकी दिक्कतें होंगी, उन्हें संज्ञान में लेते हुए सुधार करवाया जाएगा।

- राजेन्द्र गुप्ता, अपर आयुक्त, नगर निगम, रायपुर

मेंटेनेंस के लिए नहीं मिली एजेंसी

सूत्रों ने बताया कि ई-टॉयलेट का मेंटेनेंस और संचालन के लिए टेंडर भी किया गया था। इसमें दो एजेंसी आई,मगर वे काम करने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। इसके चलते अभी ई-टॉयलेट का मेंटेनेंस करवाने की प्रक्रिया भी ठंडे बस्ते में जाने वाली है। इस बीच उपद्रवी तत्वों द्वारा यूनिट में दी गई सुविधा को तोड़फोड़ करके कबाड़ किया जा रहा है। कटोरा तालाब सहित आनंद नगर में तो कई सामान भी गायब हो गए हैं। इनका सुधार करवाने के बाद ही उपयोगी हो पाएंगी, तब तक सुविधा के लिए इंतजार करना होगा।

नहीं दूर हुई ई-टॉयलेट की समस्या

दरअसल ई-टॉयलेट का गेट उपयोग के लिए क्वाइन डालने के बाद ही खुले, ऐसी व्यवस्था बनाई गई। लेकिन हद तो तब हुई जब क्वाइन डालने के बाद भी दरवाजा नहीं खुलने की समस्या सामने आई। लोगों का पैसा उन्हें वापस भी नहीं मिलने की शिकायत जिम्मेदार दूर नहीं करवा पाए। इन सब मामलों को लेकर सिर्फ सुधार के दावे होते रहे और मेंटेनेंस करते हुए एजेंसी ने अपना समय बिता लिया। इससे पहले नई एजेंसी को काम देने में लापरवाही की गई। इससे लोगों की स्मार्ट सुविधा कबाड़ का हिस्सा बनने लगी है।

भर्ती हुए ओपन हार्ट सर्जरी के जरूरतमंद मरीज, इस सप्ताह होगा पहला आपरेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- आठ महीने के ब्रेक के बाद एसीआई के मरीजों को मिलेगी राहत

रीएजेंट की सुविधा मिलने के बाद एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट के कार्डियक सर्जरी विभाग में जरूरतमंद मरीजों की भर्ती कर ली गई है। जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनका ऑपरेशन किया जाएगा। रीएजेंट नहीं होने की वजह से पिछले आठ माह से यहां ओपन हार्ट सर्जरी पर ब्रेक लगा था।

विभागाध्यक्ष डा. कृष्णकांत साहू ने बताया कि समस्या दूर होने के बाद ओपीडी में जांच के लिए आने वाले कुछ मरीजों को विभाग में भर्ती कर लिया गया है। उनकी जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले तीन से चार दिनों में ऑपरेशन किया जाएगा। आठ माह से यह सर्जरी नहीं होने की वजह से मरीजों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था। यहां आने वाले गरीब मरीजों को इंतजार करना मजबूरी थी या इधर-उधर से बड़ी राशि जुगाड़कर निजी अस्पताल जाना मजबूरी थी। ओपन हार्ट सर्जरी का रास्ता साफ होने के बाद अब बीमारी का इलाज होने की उम्मीद बन गई है। हृदय रोग के उपचार सुविधा वाले इस एकमात्र सरकारी अस्पताल में आठ महीने पहले एबीजी किट और रीएजेंट की समस्या हो गई थी। इसके बाद सर्जरी विभाग में अन्य ऑपरेशन तो होते रहे ओपनहार्ट सर्जरी बंद कर दी गई थी। इसकी आवश्यकता वाले मरीजों को भर्ती भी नहीं किया जा रहा था।

दो लाख तक इलाज

निजी अस्पतालों में ऑपरेशन के लिए चार लाख रुपए तक खर्च करने पड़ते हैं, जबकि सरकारी अस्पताल में यह सुविधा दो लाख से कम खर्च में मिल जाती है। स्वास्थ्य सहायता योजना के हितग्राहियों को यह उपचार और कम खर्च प्राप्त हो जाती है। मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना से यहां ओपन हार्ट सर्जरी आसानी से पूरी हो जाती है।

नए साल में बाइपास सर्जरी

परफ्यूजिनिस्ट एवं फिजिशियन असिस्टेंट के पदों पर भर्ती पूरी होने के बाद नए साल में यहां बाइपास सर्जरी की सुविधा भी मिलने लगेगी। नए पद सृजित करने के करीब तीन साल साल इस भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया गया है।एसीआई में शुरुआती दिनों में जोड़तोड़ कर एक दो बाइपास ऑपरेशन हुए थे, जिसके बाद स्थायी इंतजाम के अभाव में यह अटका पड़ा है।

मध्यप्रदेश वन विभाग छत्तीसगढ़ को आठ बाघ देने तैयार, आमद इतनी कि प्रस्ताव पर विचार नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मध्यप्रदेश वन विभाग, छत्तीसगढ़ को दो मादा तथा छह नर बाघ देने के लिए राजी हैं, लेकिन राज्य के वन विभाग मध्यप्रदेश के इस प्रस्ताव को फिलहाल स्वीकार नहीं कर रहा है। अफसरों का कहना है कि पड़ोसी राज्य से माइग्रेट कर लगातार बाघों का मूवमेंट हो रहा है। ऐसी स्थिति में माइग्रेट कर आने वाले बाघों को यहां रोकने की कोशिश करने उपाए किए जाने की बात वन अफसर कह रहे हैं।

गौरतलब है कि बाघों की गणना के दौरान गणना में बाघ के शावकों की गिनती नहीं की जाती। वर्ष दो 2022 की गणना रिपोर्ट में जो बाघों के शावक थे, उसे गिनती में शामिल नहीं किया गया। वहीं शावक अब वयस्क हो गए हैं। मध्यप्रदेश के कान्हा, बांधवगढ़ तथा पेच टाइगर रिजर्व में बाघ क्षमता से अधिक हो गए हैं। ऐसे में बाघों के मैनेजमेंट करने में मध्यप्रदेश के वन अफसरों को परेशानी होने लगी है।

- पड़ोसी राज्य में बढ़ते बाघों का असर छत्तीसगढ़ में

तीन राज्यों में बाघ देने सहमति

मध्यप्रदेश के वन अफसर छत्तीसगढ़ के साथ राजस्थान तथा ओडिशा को बाघ देने के लिए तैयार हैं। इनमें छत्तीसगढ़ को आठ तथा राजस्थान तथा ओडिशा को क्रमशः चार तथा तीन बाघ देने के लिए सशर्त सहमति दी है। शर्त के मुताबिक बाघ का चयन करने संबंधित राज्य के वन अफसरों को आना होगा, जिसका संपूर्ण खर्च उस राज्य को वहन करना होगा। साथ ही बाघ का ट्रांसलोकेट मध्यप्रदेश के वेटेनरी डॉक्टर की निगरानी में होगा। तीसरी शर्त बाघ का जीवन संकट में न हो, इस बात का ध्यान रखना होगा। चौथी शर्त बाघ को लाने विधिवत केंद्र सरकार से अनुमति लेनी होगी।

प्रे-बेस के साथ ग्रास लैंड बढ़ाना होगा

आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश से बड़ी संख्या में माइग्रेट होकर बाघों के आने का सिलसिला बढ़ेगा। मध्यप्रदेश से माइग्रेट होकर आने वाले बाघों का यहां स्थायी डेरा हो, इसके लिए वन अफसरों को टाइगर रिजर्व तथा बाघ की आवाजाही करने के कॉरिडोर में ग्रास लैंड विकसित करने की जरूरत है। ग्रास लैंड बढ़ने से शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होगी। साथ ही टाइगर रिजर्व तथा कॉरिडोर में पूरे वर्ष पानी की उपलब्धता बढ़ानी होगी।

इसलिए मैनेजमेंट प्रभावित

पड़ोसी राज्य से आने वाले नई उम्र के बाघों के यहां से जल्दी चले जाने की सबसे बड़ी वजह प्रे-बेस की कमी है। बारनवापारा में बेहतर प्रे-बेस होने की वजह से माइग्रेट होकर पहुंचा बाघ आठ महीने तक बारनवापारा में रुका रहा। बारनवापारा में बाघ को शिकार करने घात लगाने ग्रास लैंड मिलने के साथ आसानी से शिकार मिलना है।

लैंटाना ग्रास की वृद्धि, चराई रोकना बड़ी चुनौती

संरक्षित वनक्षेत्र में पालतू मवेशियों को चराने ले जाने पर रोक है। बावजूद इसके अचानकमार टाइगर रिजर्व सहित प्रदेश के ज्यादातर वनक्षेत्रों में पालतू मवेशी को चरवाहा चराने के लिए चले जाते हैं। इसके चलते शाकाहारी वन्यजीवों को पर्याप्त मात्रा में चरने के लिए घास नहीं मिल पाती। राज्य में ग्रास लैंड की कमी की एक बड़ी वजह लैंटाना घास है, जो खरतपतवार की श्रेणी में आता है। वन विभाग वनों में पालतू मवेशियों के चराने के साथ लैंटाना ग्रास की वृद्धि रोकने उपाय करे, तो वनों में शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या में वृद्धि होगी।

नए साल में हुड़दंग करने के 20 प्वाइंट, पुलिस करेगी निगरानी

- नए साल के अवसर पर होटल में आने वाले विजिटर की जानकारी देनी होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नए साल को लेकर पुलिस ने अपनी तरफ से तैयारी तेज कर दी है। नए साल के अवसर पर किसी तरह से गड़बड़ी न हो, इसके लिए एसएसपी ने होटल, रेस्टोरेंट संचालकों की बैठक ली है। दूसरी ओर नए साल को लेकर पुलिस ने 30 दिसंबर से वाहनों के साथ होटल, रेस्टोरेंट की जांच शुरू करने की बात कही है।

एएसपी सिटी लखन पटले के मुताबिक अब तक 15 से ज्यादा होटल तथा रेस्टोरेंट संचालकों ने शराब पिलाने आबकारी विभाग में लाइसेंस के लिए आवेदन पेश किया है। गाइडलाइन के मुताबिक शराब पिलाने लाइसेंस के लिए आवेदन करने वालों को अनुमति दी जा रही है, मगर म्यूजिक सिस्टम रात 10 बजे बंद करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। वहीं, म्यूजिक सिस्टम बंद न करने की दशा में साउंड इतना धीमा करना होगा, ताकि उसकी आवाज बाहर तक सुनाई न दे। म्यूजिक सिस्टम के साउंड से आसपास रहने वालों को किसी तरह से कोई तकलीफ नहीं होनी चाहिए। न्यू ईयर पार्टी के दौरान रात 12.30 बजे से एक बजे तक शराब पिलाने की अनुमति देने का प्रावधान रखा गया है।

- 15 से ज्यादा होटल, रेस्टोरेंट ने शराब परोसने मांगी अनुमति

इस तरह सख्ती बरती जाएगी

- 20 चेक प्वाइंट पर ब्रीथ एनालाइजर से नशे में गाड़ी चलाने वालों की जांच होगी।
- होटल, रेस्टोरेंट, बार और ढाबे तय समय पर बंद नहीं हुए, तो लाइसेंस निरस्त।
- जहां आयोजन होंगे, वहां के संचालकों को ही पार्किंग की व्यवस्था करनी होगी।
- सड़कों पर या कार में शराब पीने वालों के खिलाफ तुरंत दर्ज होगी एफआईआर।
- होटल में रुकने वालों की जानकारी रखनी होगी, नहीं रखने पर होगी कार्रवाई।

सीसीटीवी से निगरानी

नए साल को लेकर जिन-जिन बड़े होटलों और रेस्टोरेंट में नए साल के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, उन सभी की निगरानी सीसीटीवी कैमरों कराने की व्यवस्था की गई है। चौराहों पर आईटीएमएस के कैमरों से नजर रखी जाएगी। तीन सवारी या नशे में गाड़ी चलाने वालों की सीधे गाड़ी जब्त की जाएगी। पुलिस ने शहर के 20 ऐसी जगहों की पहचान की है, जहां नए साल में हुड़दंग मचाया जाता है या युवा वहां पहुंचकर नशा करते हैं। इन सभी जगहों पर इस तरह के लोगों को रोकने के लिए 20 चेक प्वाइंट बनाए जाएंगे।

बिजनेस साइट

लीला देवी समूह के वार्षिकोत्सव समारोह में संगीत और संस्कृति का समागम

रायपुर। मोतीपुर स्थित लीला देवी समूह के वार्षिकोत्सव समारोह में समृद्ध सांस्कृतिक धारा का आयोजन हुआ। समारोह का उद्घाटन भूपेश बघेल (पूर्व मुख्यमंत्री) ने किया, जबकि समापन विजय बघेल सांसद दुर्ग के उद्बोधन के साथ हुआ। समारोह के दौरान स्कूल और कॉलेज के छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों द्वारा दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर निदेशक अर्चना मिश्रा ने सभी अभिभावकों, अतिथियों और छात्रों से समाज निर्माण में उनके योगदान पर चर्चा की और मुख्य अतिथियों भूपेश बघेल तथा विजय बघेल का समारोह में सम्मिलित होने के लिए आभार व्यक्त किया। यह समारोह न केवल एक शैक्षिक उत्सव था, बल्कि सांस्कृतिक और समाजसेवी गतिविधियों के सामूहिक प्रयास का प्रतीक भी बना।

नवगठित बहुउद्देशीय पैक्स डेयरी व मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारंभ

रायपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री द्वारा 10 हजार नवगठित बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारंभ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। यह आयोजन जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित रायपुर के सभागृह में हुआ। मंत्री ने पैक्स समितियों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का अनावरण करते हुए सभी राज्यों से अपेक्षा की कि वे इन समितियों के कर्मचारियों और पदाधिकारियों को उपयुक्त प्रशिक्षण प्रदान करें, ताकि वे सहकारिता के विकास में सक्रिय भागीदार बन सकें। कार्यक्रम का उद्घाटन आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं कुलदीप शर्मा, आईएएस ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर कृषकों को सहकारी समितियों द्वारा उपलब्ध की जाने वाली सुविधाओं जैसे माइक्रो एटीएम, जनऔषधि केंद्र, कृषक समृद्धि केंद्र और ई-सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई।

हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 26 दिसंबर 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

लाइव इवेंट

कलाकारों ने प्रभु यीशु के जीवन को कैनवास पर उकेरा, बनाया जीवंत

रायपुर। महाकौशल कला परिषद की ओर से आर्ट गैलरी में क्रिसमस के मौके पर कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के. जोसेफ रहे। प्रदर्शनी अवलोकन के उपरांत मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रभु यीशु को प्रतिभागी सभी कलाकारों ने अपनी रचनाओं में जीया है, जो उनकी कुशल रचनात्मक शैली को दर्शाता है। कलाकारों ने यीशु के जन्म से लेकर सूली पर चढ़ाने तक के सफर क्रम को अपने चित्र के माध्यम से जीवंत बनाने की कोशिश की है। उन्होंने यीशु के अलावा सांता द्वारा चांदनी रात में बच्चों के गिफ्ट बांटने को भी दर्शाने का बेहतरीन प्रयास किया। अस्तबल में जन्म से लेकर माता मैरी और यीशु के बालस्वरूप, यीशु द्वारा अपने अनुचरों को शिक्षा, यीशु के चित्र, जानवरों से यीशु के प्रेम तक को यानी लगभग यीशु के जीवन के अहम हिस्सों को कैनवास पर उकेर डाला है। यह प्रदर्शनी बृहस्पतिवार को दर्शकों के अवलोकन के लिए शाम 5 बजे से 7 बजे तक खुली रहेगी।

स्याही, पेंसिल व रंगों के सहारे उकेरे खूबसूरत चित्र

प्रभु यीशु, सांता क्लॉज व माता मैरी के खूबसूरत व बोलते चित्रों बनाने के लिए कलाकारों को बहुत-सी वस्तुओं की जरूरत पड़ी, जिसमें जल रंग, तैल रंग, एक्रेलिक स्याही, कंप्यूटर ग्रॉफिक्स, फोटोग्रॉफ, चारकोल, पेंसिल ड्राइंग आदि रहीं।

बाहर से आए कलाकारों ने भी लिया भाग

क्रिसमस की प्रदर्शनी में प्रदेश के बाहर से आए कलाकारों ने भी हिस्सा लिया, जिसमें मध्यप्रदेश से परीयुल जैन, उत्तरप्रदेश से धनंजय पंवार, ओडिशा से पार्थ राय सागर और गुजरात से माइनक भट्टाचार्या रहीं। वहीं स्थानीय कलाकारों में प्रिशाका नाग, अमृता भट्टाचार्या, शांभवी शर्मा, दिशा ठाकुर, जेसन जार्ज रहे।

राजधानी के 45 चर्चों में सुबह मसीही समाज ने की विशेष प्रार्थना, कैरोल सिंगिंग में गूंजे यीशु के संदेश

क्रिसमस पर गिरजाघरों में दिनभर उत्सव चरनी में भव्य झांकी संग तस्वीर का भी क्रेज

‘ प्रभु यीशु के आगमन की खुशी और उत्साह के चलते दिनभर चर्चों में उत्सव का माहौल रहा। सुबह 8 से 10 बजे के बीच मसीही समाज के लोग परिवार के साथ गिरजाघरों में पहुंचे। विशेष प्रार्थना कर बाहर निकलने पर लोगों ने परमात्मा के स्वागत में कैंपस में बनाए गए स्टैंड में कैंडल जलाई। वहीं कैरोल ग्रुप ने सुबह व शाम को सिंगिंग के जरिए प्रभु का संदेश दिया। कैंपस में बनाई गई चरनी में भव्य झांकी सजाई गई थी। इसे यादगार बनाने के लिए लोग तस्वीर लेते नजर आए, इसका युवाओं में ज्यादा क्रेज देखा गया।’

रायपुर। राजधानी में हर साल की तरह सभी गिरजाघरों में प्रभु यीशु के आगमन की खुशी में हजारों मसीहीजन 1शामिल होने पहुंचे। क्रिसमस की खुशी को खास बनाने के लिए मसीही समाज के युवाओं का ग्रुप अलग-अलग चर्चों में कैरोल सिंगिंग करते हुए लोगों को उत्सव का माहौल देने में जुटा रहा। वहीं विशेष प्रार्थना सभा में लोग फैमिली के साथ शामिल हुए। इसके लिए सभी चर्चों में व्यवस्था बनाई गई थी। चर्च कैंपस विभिन्न तरह की रंगीन लाइटों से जगमगाए। वहीं क्रिसमस ट्री चर्चों ही नहीं, घरों में भी लोगों ने आकर्षक तरीके से सजाया। चर्च कैंपस में प्रभु यीशु द्वारा दिए गए संदेश को दीवारों पर इस बार भी उकेरा गया है।

सांता क्लॉज के वेश में निकले...

चर्च कैंपस ही नहीं, बल्कि कई संस्थानों में भी सांता क्लॉज के परिधान में लोग खुद को कवर करके इस बार भी क्रिसमस की खुशी बांटने के लिए पहुंचे। जिनके पास गए, उन्हें पेन, चॉकलेट के साथ कई सांता क्लॉज ने गरीब बस्तियों में बधाई देते हुए गर्म कपड़े भी गिफ्ट किए। खुद की पहचान छिपाते हुए उपहार देकर वे जिधर से भी आगे बढ़े। लोगों में इसको लेकर कौतूहल रहा कि सांता क्लॉज के वेश में किसने उनको गिफ्ट में चॉकलेट दिया। यह सिलसिला चर्च में प्रार्थना करने पहुंचे लोगों और बच्चों के बीच भी चला।

विश्व में शांति के लिए प्रार्थना

बैरन बाजार स्थित सेंट जोसेफ चर्च के फादर जॉन जेवियर के अगवाई में क्रिसमस के मौके पर सुबह भी विशेष प्रार्थना सभा की गई। इसमें जो लोग मंगलवार की रात में की गई आराधना का हिस्सा नहीं बने थे। उनके लिए बुधवार को विशेष प्रार्थना का हिस्सा बनने का अवसर दिया गया। मसीही समाज के लोगों ने सभी चर्चों में प्रभु यीशु से विश्व में शांति व सद्भावना के लिए प्रार्थना की। प्रार्थना में मैरी क्रिसमस की गूंज रही। केक काटकर प्रभु यीशु के जन्मदिन को उत्सव का रूप देने का सिलसिला दिन में भी चलता रहा।

मरियम की गोद में प्रभु यीशु

शहर के कापा, भनपुरी, टाटीबंध, जोरा में बनाई गई व्यवस्था के तहत लोगों को प्रभु यीशु के आने और उनसे जुड़ी बातों की जानकारी दी गई। इसके पहले मान्यता के तहत लोगों ने चर्च के बाहर गोशाला को आकार दिया। इसे यीशु के जन्म के प्रतीक के रूप में सजाया गया। गोशाला की झांकी में माता मरियम की गोद में यीशु की प्रतिमा के साथ ही भेड़, बकरी और गड़रिए की झांकी के बीच परमात्मा की अलग-अलग आकर्षक स्वरूप को इस बार भी सजाया गया। इसके पास लोग मोबाइल में तस्वीर बनाते नजर आए।

कैंडल बेचने हर जगह स्टाल

सभी चर्चों में पहले से की गई तैयारी जहां रंगत में नजर आई। वहीं कैंपस में क्रिसमस की खुशी में कैंडल जलाने के लिए पहुंचे मसीहीजनों की सुविधा के लिए कैंडल स्टैंड का प्रॉपर इंतजाम किया गया था। जो साथ में कैंडल लेकर नहीं पहुंचे थे, उनके लिए चर्च कैंपस में ही मोमबत्ती बेचने वालों ने स्टाल सजाए थे। यहां सांता क्लॉज बनने का साजो-सामान भी बच्चों की खुशी के लिए लोग खरीदने में मशगूल नजर आए। इसके चलते सुबह से लेकर देर-रात तक सभी चर्चों में उत्सव के साथ गीत-संगीत का सिलसिला चला।

बधाई देने वालों को खिलाया केक

मसीही समाज के लोगों ने घरों में भी प्रभु यीशु के आने की खुशी में केक काटकर बधाई देने पहुंचे लोगों को खिलाते हुए उनका स्वागत किया। यह सिलसिला सभी मसीही परिवारों में दिनभर चला। समाज के लोगों ने सभी परिचितों व रिश्तेदारों को इस खास मौके पर विभिन्न तरह के व्यंजन भी परोसे। इससे सुबह से रात तक क्रिसमस की खुशी बांटने वालों की आवाजाही से परिवारों में भी खुशनुमा माहौल रहा। बच्चों, युवाओं के लिए हर परिवार ने खास इंतजाम किया था।

सिटी इवेंट

मध्यप्रदेश के महेश्वर से जुड़ा छत्तीसगढ़ का इतिहास, यहीं से राज्य की शुरुआत

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य विषय पर व्याख्यान का आयोजन सिविल लाइंस स्थित युवा संस्था में किया गया। इसके मुख्य वक्ता आईएएस डॉ. संजय अलंग ने छत्तीसगढ़ के इतिहास के बारे में बताते हुए मध्यप्रदेश की भौगोलिक पृष्ठभूमि को भी समझाने का प्रयास किया। उन्होंने नर्मदा नदी के प्रवाह के आधार पर मध्यप्रदेश के महेश्वर से कल्चुरियों के उद्गम और उसके बाद तुम्माड से दुर्ग तक छत्तीसगढ़ राज्य में उनके विस्तार के बारे में बताया। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज के मराठा शासन और कालांतर में छत्तीसगढ़ के इतिहास में मराठों का प्रभाव साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य के दक्षिण में स्थित बस्तर पर गुजरात के चालुक्यों के प्रभाव को विस्तार से बताया।

आचरण में भी लाना चाहिए

इसके पहले उन्होंने आयोजन का शुभारंभ किया तो संस्था युवा के संस्थापक एम. राजीव ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मण भारती, प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति और जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संघ अतिथि के रूप में मौजूद थे। उन्होंने कहा कि गुरु घासीदास बाबा के वचनों और सीख को हमें अपने जीवन के आचरण में लाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन देते हुए युवा के संस्थापक ने कहा कि डॉ. अलंग ने छत्तीसगढ़ के इतिहास को कहानी की शैली में पेश किया।

ग्रुप स्टडी पर करें फोकस

आगे डॉ. अलंग ने छात्रों को जिस अंदाज में समझाया और उनकी भाषाशैली और शब्दों का चयन इतना सरल था कि शायद ही आज के क्लास में बैठे किसी छात्र को दिक्कत हुई होगी। इतना ही नहीं, भविष्य में छत्तीसगढ़ के इतिहास को पढ़ने के लिए उन्हें पुस्तकों का सहारा भी लेना पड़े। उन्होंने संस्था युवा के अलावा अन्य महाविद्यालयों से आए छात्रों का भी आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही पीएससी सहित प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वालों को ग्रुप स्टडी के लिए भी प्रेरित किया।

सुप्रसिद्ध गायक स्व. मो. रफी के सुमधुर गीतों से सजी शाम

तुम मुझे यूं, भुला न पाओगे...

रायपुर। आदमी मुसाफिर है, आता है जाता है...जिस उम्र में बच्चे ए फॉर एप्पल, बी फॉर बॉल पढ़ना-समझना सीखते हैं, उस उम्र में संतृप्ति केसकर अपने पिता विश्वास के साथ मो. रफी के गाने गुनगुनाती नजर आईं। छह वर्ष की बच्ची ने मंच पर शानदार प्रस्तुति से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। महाराष्ट्र मडंल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संतृप्ति ने शास्त्रीय गीत रसिक बलमा....की भी मनमोहक प्रस्तुति दी। इस दौरान विश्वास केसकर ने तुम मुझे यूं, भुला न पाओगे...गाने पर सामूहिक रूप में गायन किया।

एक शाम मो. रफी के नाम

महाराष्ट्र मंडल और यश लाइव बैंड के संयुक्त तत्वावधान में संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मो. रफी की जन्म शताब्दी पर संगीतमय श्रद्धांजलि दी गई। देर रात तक चले कार्यक्रम में मो. रफी के सदाबहार गीतों को गायक कलाकारों ने सुरों से सजाया, इसमें शहर के अनेक कलाविद उपस्थित रहे। अभी न जाओ छोड़कर, के दिल अभी भरा नहीं..आज पुरानी राहों से..तू इस तरह से मेरी जिंदगी में शामिल है...गुनगुना रहे हैं भवरें, खिल रहीं है कली-कली...आदि गीतों की भी प्रस्तुति दी गई। इस दौरान रवींद्र सिंह दत्ता, प्रीति केसरकर ने कार्यक्रम की मेजबानी की।

पुराने दिनों को किया याद

लोकप्रिय गानों में मो. रफी के भी गाने शामिल हैं, जो लोगों के दिलों में आज भी जगह बनाकर रखे हैं। कार्यक्रम के दौरान दर्शक और गायक मो. रफी के गानों पर झूमते और पुराने दिनों को याद करते नजर आए। इस मौके पर मो. रफी के गानों को लेकर संबोधन भी दिया गया, जिसमें उनकी उपलब्धियों और लोकप्रियता पर बात की गई। कहा गया, उन दिनों कई फिल्में मो. रफी के गानों के कारण सुपरहिट होती थीं, जहां लोग रफी के गाने सुनने के लिए फिल्म देखने जाते थे।

निर्धन कन्याओं के सामूहिक विवाह के बाद कराएंगे अयोध्या यात्रा

रायपुर। विश्व को अग्रसेन महाराज ने अहिंसा और सेवा का पाठ पढ़ाया है। आज पूरा विश्व शांति के मार्ग पर अग्रसर है। अग्रवाल समाज के लोग सदैव से सर्वहारा वर्ग के लिए काम करते आए हैं। जहां हम श्री अग्रसेन ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण योजना से प्रतिभाशाली छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराते हैं। वहीं 1 मार्च 2025 को सनातन धर्म की निर्धन कन्याओं के सामूहिक विवाह की व्यवस्था रायपुर में कर रहे हैं। उनके विवाह के साथ घर-गृहस्थी के उपयोग में आने वाली सामग्री दी जाएगी। यह बात छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल ने कही।

स्पेशल ट्रेन से अयोध्या यात्रा

नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. अग्रवाल तीन दिवसीय प्रांतीय दौरा कर रहे हैं। तिल्दा, नेवरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में वे संगठन द्वारा की जाने वाली पहल को आगे बढ़ाने के लिए मीटिंग कर पदाधिकारियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारी भी बांट रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्री अग्रसेन अयोध्या तीर्थयात्रा (आतिथ्य) स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन से 22 मार्च को माता बम्लेश्वरी धाम डोंगरगढ़ से अयोध्या के लिए रवाना होगी। वहीं 1 मार्च 2025 को आयोजित सामूहिक कन्या विवाह, पूर्णतः निशुल्क होगा।

परिणाम में सफलता के लिए बच्चों को मानसिक रूप से करें तैयार

बोर्ड परीक्षा के लिए मानसिक रूप से तैयार करने में माता पिता व परिवार के सदस्यों का सहयोग जरूरी

कार्नर न्यूज

परिवार में मौजूद बच्चा जब किसी परीक्षा की तैयारी करता है तो उसकी तैयारी में पूरे परिवार के सदस्यों की सहभागिता होती है। पढ़ाई के साथ उसे मानसिक रूप से तैयार करने की जिम्मेदारी परिवार के सदस्यों की होती है। ऐसे में घर का खुशनुमा व सरल वातावरण बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करता है।

रायपुर। इन दिनों स्कूली विद्यार्थी दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में परिजन बच्चों को किस तरह पढ़ाई में मदद कर सकते हैं, इसके लिए कॅरियर काउंसलर और मनोवैज्ञानिक ने जानकारी साझा की है। मनोवैज्ञानिक ने बताया, जिस प्रकार युद्ध से पहले सैनिकों को तैयार करने में राजा की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। उसी प्रकार बच्चों को बोर्ड परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण परीक्षा की तैयारी में माता-पिता का महत्वपूर्ण दायित्व होता है। इस दौरान सबसे जरूरी बच्चों को मानसिक रूप से स्वस्थ्य रखना होता है, जिससे मानसिक रूप से तनावमुक्त महसूस करें।

परीक्षा से पहले पुरानी गलतियों को याद न करें

मनोवैज्ञानिक डॉ. अजित वरवंडकर ने कहा, घर का माहौल और माता-पिता की बातें बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए काफी होती हैं। परीक्षा से पहले बच्चों की पुरानी गलतियों को लेकर बातें न करें। ऐसा करने से वह तनाव महसूस कर सकते हैं, बच्चों को पढ़ाई के लिए हौसला दें। इन दिनों दोस्तों या रिश्तेदारों को घर पर न बुलाएं और घर पर शांत माहौल बनाकर चलें। घर का सरल वातावरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे बच्चे पढ़ाई में ध्यान एकत्र कर सकते हैं।

बच्चों के संग समय बिताए

कॅरियर काउंसलर डॉ. कुमार ने बताया, बोर्ड परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों में तनाव अधिक रहता है। ऐसे में माता-पिता का पॉजिटिव नेचर और घर का वातावरण उनकी पढ़ाई में मददगार साबित होता है। परीक्षा से पहले बच्चों के साथ सख्ती न बरतें, पढ़ाई और खेल के लिए समय निर्धारित करें, खाली समय में बच्चों के साथ समय बिताएं, रोजाना पढ़ाई करने के लिए दबाव न बनाएं। विद्यार्थियों को मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए परिजनों का भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। वर्तमान में सोशल मीडिया माइंड डाइवर्ट का कारण है। परीक्षा के दौरान दूरी बनाए रखने के लिए परिजन भी अपना अधिक से अधिक समय बच्चों के साथ बिताएं। बच्चों में सुधार लाने से पहले वह खुद में सुधार लाने का प्रयास करें।

कैंपस लाइव

इंटरैक्टिव पैनल से मिलेगी ई-एजुकेशन को मदद

रायपुर। सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए पात्रा इंडिया सीएसआर ने कोपलवाणी स्कूल के स्पेशल बच्चों के लिए बुधवार को ई-शिक्षा की बेहतरी के लिए तीन इंटरैक्टिव स्मार्ट पैनल दिए। इस उपकरण से जिन्हें सुनने और भाषा को समझने में दिक्कत होती है, उन स्पेशल बच्चों को आधुनिक तकनीक के जरिए बेहतर पढ़ाई का अवसर मिलेगा। यह पैनल आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए विशेष रूप से उन्हें सांकेतिक भाषा निर्देश में इंटरैक्टिव और आकर्षक शैक्षणिक कार्यक्रमों की डिलीवरी को बढ़ाएगा। इससे सांकेतिक भाषा में विषयवस्तु के साथ अनुवाद भी करने में उनको आसानी होगी।

नई तकनीक होगी कारगर

ई-एजुकेशन से जोड़ते हुए संस्था की डायरेक्टर लक्ष्मी मुकाबवली, मैनेजर मो. रजा, ललित कुमार, अरिशा अंसारी, एवॉन साहू ने खुशी जाहिर करते कहा कि शिक्षा में नई तकनीक कारगर होगी। इसे देखते हुए ही संस्था ने नवीन तकनीक से स्पेशल बच्चों को जोड़ा है। संस्था की डायरेक्टर पद्मा शर्मा ने कहा कि यह योगदान छात्रों के विकास में उपयोगी होगा। कार्यक्रम के दौरान हरमीत सिंह के साथ ही स्पेशल बच्चे और शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

सिटी लाइव

लोगों का जीवन बचाने डॉ. नेरल ने किया रक्तदान, किताब का भी प्रकाशन

रायपुर। डॉ. अरविंद नेरल ने बुधवार को राजभवन में संचालित हो रहे रक्तदान शिविर में अपने जीवन का 125वां रक्तदान किया। इसका शुभारंभ राज्यपाल रमेन डेका एवं राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी की उपस्थिति में डॉ. अरविंद नेरल के रक्तदान से हुआ। इस अवसर पर चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी, अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर, डॉ. एसबीएस नेताम, डॉ. रविकांत दास एवं अन्य चिकित्सा शिक्षक उपस्थित रहे। राज्यपाल ने रक्तदान के क्षेत्र में डॉ. नेरल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। यह दो दिवसीय रक्तदान शिविर राजभवन के दरबार हाल में चिकित्सा महाविद्यालय के पैथोलॉजी विभाग के अंतर्गत संचालित मॉडल ब्लड बैंक के तकनीकी सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

रक्तदान से डरने वाले पढ़ें डॉ. नेरल की किताब

डॉ. अरविंद नेरल ने रक्तदान संबंधित वैज्ञानिक मालूमात, स्लोगन, कहानियों, कोटेशन व कविताओं से सुसज्जित किताब 'तुम मुझे खून दो' प्रकाशित की है। रक्तदान शिविर में डॉ. नेरल ने किताब राज्यपाल डेका को भेंट की और कहा कि जिसे भी रक्तदान करने से डर लगता है, उसे इस किताब एक बार पढ़ना चाहिए। डॉ. नेरल पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के पैथोलॉजी विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष हैं।

लाइव इवेंट

महिला योग शक्ति दिवस पर सामूहिक योग शिविर

रायपुर। भारतीय योग संस्थान द्वारा समस्त केंद्रों में महिला योग शक्ति दिवस मनाया गया। इसमें गायत्री नगर, सेल्स टैक्स कॉलोनी, स्वर्णभूमि, नलघर चौक, महावीर नगर, कटोरा तालाब, बूढ़ातालाब, शंकर नगर, आनंद नगर, देवेंद्र नगर जैसे अन्य स्थानों में योग शिविर का आयोजन किया गया। जहां योग, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेल संबंधित कार्यक्रम हुए। इस दौरान संस्थान के सदस्यों द्वारा लोगों को दिनचर्या में योग को शामिल करने की बात कही गई। साथ ही रोजाना योग करने के लाभ एवं उनके महत्व की जानकारी साझा की गई।

स्वस्थ शरीर के लिए योग जरूरी

एक दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न योग केंद्रो के गुरु शामिल हुए, जिन्होंने योग साधना से शिविर की शुरुआत की। साथ ही आसन, प्राणायाम, ध्यान, मनोरंजन से भरपूर खेल और योग संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के जिला प्रबंधक मुकेश सोनी ने बताया, नगरवासियों को योग के प्रति जागरूक करने शिविर का आयोजन किया जाता है। महिला योग शक्ति दिवस पर शहर की कामकाजी महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने एवं दिनचर्या में योग को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में राजेश अग्रवाल, राजेश डागा, वंदना साहू, पिंकी जैन, केआर साहू, प्रभा शर्मा, नीलम नवलानी, किरण प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

● सेजबहार में जारी श्री शिव महापुराण में दूसरे दिन पं. प्रदीप मिश्रा बोले- विश्वास होगा तभी मिलेगा फल

भगवान महंगी वस्तु नहीं, भक्ति-भाव के भूखे, उनको अर्पित करते ही बढ़ती है कीमत

'सेजबहार में जारी श्री शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा ने लाखों भक्तों को कथा का अमृत का रसपान कराया। आचार्य ने बताया कि भगवान महंगी वस्तु नहीं, बल्कि भक्ति और भाव के भूखे होते हैं। उनको अर्पित करते ही वस्तु की कीमत बढ़ जाती है। शिवजी की पूजा के लिए अगर बैठे हैं और हमारे मन में किसी तरह से भक्ति व श्रद्धा का भाव नहीं है। भगवान के प्रति विश्वास भी नहीं है तो कोई भी चीज अर्पित करें, उसका फल हमको नहीं मिलेगा।'

रायपुर। कथा पंडाल में आचार्य पं. मिश्रा ने आगे कहा कि सनातन धर्म को मजबूत बनाने के लिए हमारे हिंदू भाई-बहनों को मजबूती से काम करना चाहिए। अगर अपने बच्चों को ज्ञान और शिक्षा देनी है तो उनको झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्या माता, वीर शिवाजी जैसे वीरों की गाथा सुनाएं। वैसे ही उनको वस्त्र पहनाएं ,निश्चित ही बच्चों के मन में वीर की भावना उत्पन्न होगी। भारत सपूतों व वीर जवानों का देश है, इसलिए सनातन धर्म को आगे बढ़ाने पर जरूर विचार करें। दूसरे धर्म को अपनाते हुए जूठन खाने का प्रयास नहीं होना चाहिए। पं. मिश्रा ने कहा कि अपने बच्चों को ऐसे कपड़े भी नहीं पहनाएं, जिससे वे जोकर की तरह दिखने लगें।

मस्तक पर लगे तिलक का...

आचार्य ने तिलक का उपाय और तिलक के महत्व को बताते हुए श्रोताओं को बताया कि चार तरह के तिलक हमारे लिए अलग-अलग काम में प्रयोग होते हैं। इसमें पहला सफेद आंकड़े की जड़ का तिलक, कोई भी काम अटक रहा हो, किसी तरह की बाधाएं आ रही हों और काम नहीं हो रहा हो। ऐसी स्थिति में सफेद आंकड़े की जड़ को घिसकर अष्ट विनायक गणेश का स्मरण करके उसे अष्ट विनायक के नाम का तिलक अपने मस्तक पर लगाएं तो कितना भी जटिल से जटिल काम अटका पड़ा हो, वह पूरा ही होगा।

शिवजी देखते हैं सिर्फ भाव

भक्तों को भगवान की महिमा बताते हुए कहा कि शिवजी नहीं कहते कि मुझे धन, संपदा व पूंजी दो, बल्कि वे तो भक्तों को कहते हैं कि मुझे समय, भाव और समर्पण दो। अगर हो सके तो एक लोटा जल के साथ बेलपत्र, पुष्प, अक्षत अर्पण करो। यह भगवान के लिए नहीं, बल्कि भक्तों के लिए है, जो वापस उनको ही मिलेगा। आचार्य ने बताया कि भगवान को जो दोगे, वे उसे धारण कर लेते हैं। हम उन्हें अक्षत, पुष्प ही नहीं, भस्म भी चढ़ा रहे हैं तो उसको भी धारण करते हैं। यह नहीं देखते कि भक्त महंगी वस्तु चढ़ाएं, वे तो सिर्फ भक्त का भाव देखते हैं।

मंदिर में ही मनाएं नववर्ष

हिंदुओं का नववर्ष तो चैत्र महीने में शुरू होता है। इसमें हमें नववर्ष भगवान की भक्ति-भाव से मंदिरों में मनाना चाहिए। भगवान की पूजा-अर्चना करके ही हिंदू नववर्ष मनाते हैं। अंग्रेजी नववर्ष में भगवान की भक्ति नहीं, बल्कि फूहड़ता और शराब परोसी जाती है। ऐसे में सभी सनातनी भक्तों से कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा ने आव्हान किया कि 31 दिसंबर की रात को थर्टी फर्स्ट मनाएं, पर मंदिरों में परिवार के साथ जाएं, शिवालयों में खुशियां मनानी चाहिए। इससे आगे जीवन में भगवान का आशीर्वाद परिवार पर बना रहेगा।

आयोजक परिवार की सराहना

साल के अंतिम महीने में देवांगन परिवार द्वारा आयोजित कथा के लिए विकास मंच से पं. प्रदीप मिश्रा ने कमल देवांगन और उनके परिवार को बधाई दी। कहा कि वर्ष के अंतिम समय में भक्तों द्वारा किए गए कर्म जाने अनजाने में हुए पाप, असत्य, जो भी हुआ होगा। उसका निश्चित श्री शिव महापुराण की कथा सुनने वाले भक्तों को फायदा मिलेगा। भगवान शिव की उन पर कृपा भी होगी। इस दौरान हेमंत देवांगन, देवांगन समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश देवांगन, लक्ष्मी देवांगन, हेमलाल देवांगन मौजूद थे।

मुंशी प्रेमचंद व भारती की रचनाएं आज भी कालजयी

युवाओं को भा रहीं विदेशी लेखकों की मोटिवेशनल किताबें, शिव खेड़ा, रॉबिन शर्मा भी हैं पहली पसंद

रायपुर। पुस्तक प्रेमी उपहार में भी अपने मित्रों, परिचितों को पुस्तक ही देते हैं। जहां आज मोबाइल और इंटरनेट के दौर में किताब पढ़ने वाले कम होते जा रहे हैं, वहीं शहर के युवा उनमें ही मोटिवेशन खोज रहे हैं। जन्मदिन हो, वैवाहिक वर्षगांठ या नववर्ष हो, खुशी के सभी मौकों पर तोहफे में किताबें दी जा रही हैं। बुधवार को हरिभूमि ने शहर के गोलबाजार, सदरबाजार व पुराने बस स्टैंड के पास स्थित पुस्तकालयों, किताबघरों में किताबों के कारोबार की पड़ताल की।

पुराने बस स्टैंड में 50 साल पुरानी रामचंद्र बुक्स स्टॉल नाम से दुकान है, जहां किताब बेचने वाले आकर्ष यादव और राव बताते हैं कि शहर के युवाओं को मोटिवेशनल, हॉरर कहानियां और उपन्यास बहुत रास आ रहे हैं। लव स्टोरी वाले उपन्यास भी उनकी पंसद बने हुए हैं। इसके अलावा दर्शन में रजनीश ओशो का बोलबाला है। आकर्ष आगे बताते हैं कि युवा मोटिवेशनल किताबों में विदेशी मूल के लेखकों के साथ स्वदेशीयों को भी पढ़ रहे हैं। परमहंस योगानंद की 'ऑटो बायोग्राफी ऑफ योगी' का अंग्रेजी और हिंदी संस्करण पढ़ रहे हैं। कुशल बुक प्वाइंट के कुशल पारिक ने बताया कि उनकी दुकान में अंबिकापुर के अक्षत गुप्ता की 'द हिडन हिंदू' के तीनों खंड और 'द नागा वॉरियर्स' की खूब डिमांड है। इसके इतर नई वाली हिंदी से नीलोत्पल मृणाल, मानव कौल, दिव्यप्रकाश दुबे, सत्य व्यास आदि की किताबों की भी मांग तेज है। कुशल आगे बताते हैं कि विदेशी लेखकों की हिंदी अनुवादित और उनकी मूल भाषा में लिखी किताबों ने भी पाठकों को खूब लुभाया हुआ है। रॉबर्ट ग्रीन की 'शक्ति के 48 नियम', जेम्स क्लियर की 'एटॉमिक हैबिट', रॉबर्ट टी. कियोसाकी की 'रिच डैड-पुअर डैड' और 'धन संपत्ति का मनोविज्ञान' आदि युवाओं की पसंद में शुमार है।

प्रेरक पुस्तकों से दूर होती है निराशा

सदरबाजार के अजय बुक स्टोर के हेमंत कुमार बताते हैं कि युवाओं की पहली पसंद मोटिवेशनल किताबें ही हैं, जिसमें शिव खेड़ा की 'यू कैन विन', नेपोलियन हिल की 'सफलता की सीढ़ियां', जेफ केलर की 'एडिट्यूड इज एवरीथिंग' और रॉबिन शर्मा की 'फाइव क्लब' प्रमुख हैं। सदरबाजार के ही श्रीराम बुक स्टोर के अशोक जाधव बताते हैं, उनकी दुकान में युवा शिवपुराण, रामायण, श्रीमद भागवत गीता भी लेने आते हैं। गोलबाजार के राजधानी बुक डिपो के रेहान बताते हैं कि इस शहर के युवा मोटिवेशनल किताबें पढ़कर ही निराशा और हताशा से निजात पा रहे हैं। हरिभूमि ने पुस्तकघरों में काम रहे लोगों से जाना कि आज भी उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं गोदान, गबन, वरदान लोगों की पसंद बनी हुई है। वहीं धर्मवीर भारती का 'गुनाहों का देवता', फणीश्वर नाथ रेणु का 'मैला आंचल', राहुल सांकृत्यायन का 'वोल्गा से गंगा', चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' की मांग आज भी बराबर बनी रहती है। ऑटो बायोग्राफी ऑफ योगी और पूर्व राष्ट्रपति, मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम की जीवनी अग्नि की उड़ान पुस्तक युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी हुई है।

भगवान पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक का आयोजन

सदर बाजार स्थित तेरापंथ अमोलक भवन में बुधवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौष कृष्णा दशमी तिथि पर जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के 2900वें जन्म कल्याणक 'पौदशम' उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया।

प्रतिदिन मंत्रों के जप और परमात्मा की आराधना करने की दी सलाह

रायपुर। तेरापंथ युवक परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सामायिक के साथ जप, तप की आराधना की गई। भवन में सुबह 9 से 10 बजे तक उपासिका ज्योति डागा और सरोज कोठारी द्वारा श्रद्धालुओं के साथ जप और तप पर संबोधित किया गया।

ज्योति डागा ने पार्श्वनाथ भगवान के जीवन पर णमोत्थुणं आधारित गीतिका का संगान किया, इस दौरान उनके जीवन को प्रकाशित करने का प्रयास किया। वहीं सरोज कोठारी ने अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित 'ऊं ह्रीं श्रीं पार्श्वनाथाय नमः' विघ्न विनाशक महामंगलकारी मंत्र का जप किया। साथ ही रोजाना मंत्रों के जप और परमात्मा की आराधना करने की बात कही। आराधना में विशेष रूप से नवरतन डागा, मधुर बच्छावत, वीरेंद्र डागा, गौरव दुग्गड़, अभय गोलछा, गणेश संखलेचा की उपस्थिति बनी रही।

नेपाल, अंडमान के वनवासी अंचल से पहुंचे होनहार खिलाड़ी

पन्ने पर चित्र बनाकर सीखी तीरंदाजी, राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मिला मौका

कार्नर न्यूज

रायपुर। ग्रामीण अंचलों के होनहार खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से संस्था द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसमें देश के अंचलों में रहने वाले वनवासी क्षेत्र के रहवासियों को निरंतर खेल व शिक्षा के प्रति बढ़ावा दिया जा रहा है। शहर स्थित वनवासी विकास समिति द्वारा 27-31 दिसंबर 24वां राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन से पूर्व नेपाल, अण्डमान, असम, झारखंड, एमपी समेत अनेक स्थानों से नन्हे खिलाड़ी शामिल हुए हैं।

रोहिणीपुरम स्थित शबरी कन्या आश्रम में बुधवार से ही खिलाड़ियों की टीम पहुंचने लगी है। ऐसे में वनवासी क्षेत्रों से शामिल होने वाले खिलाड़ियों से हरिभूमि ने चर्चा की। स्वागत समिति के सचिव अमर बंसल ने बताया, चार दिवसीय प्रतियोगिता में शामिल होने 800 से अधिक खिलाड़ी राजधानी पहुंचने वाले हैं। इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम की मेजबानी का मौका छत्तीसगढ़ को मिला है। 27 दिसंबर को खिलाड़ियों का पंजीयन कराया जाएगा। इसमें तीरंदाजी और फुटबॉल स्पर्धा के लिए खिलाड़ी शामिल हुए हैं।

स्पर्धा की रूपरेखा

राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित होगी। इसकी शुरुआत 28 दिसंबर को सुबह 9 बजे मशाल रैली के साथ की जाएगी, जो जयस्तंभ चौक से प्रारंभ होगी। रविवार 29 दिसंबर को सुबह 11 बजे से स्पर्धा प्रारंभ होगी, इसमें शाम 6.30 बजे एनआईटी परिसर में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसमें खिलाड़ियों द्वारा लोकनृत्य सुवा, पंथी, शैला, मांदरी और गेड़ी की प्रस्तुति होगी। इसमें मुख्य आकर्षण का केंद्र 'मातृ हस्त भोजन' रहेगा, जिसमें शहर के 500 परिवार अपने घर से भोजन लाकर खिलाड़ियों के साथ भोजन ग्रहण करेंगे।

अंडमान से 21 खिलाड़ी पहुंचे

देश के केंद्रशासित प्रदेश अंडमान से 21 स्कूली विद्यार्थी तीरंदाजी और फुटबॉल के लिए शामिल हुए हैं। इसमें तीरंदाजी स्पर्धा के लिए जूरोल और पिगल जूनियर केटेगरी में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। हरिभूमि से चर्चा के दौरान खिलाड़ियों ने बताया, गांव की पारंपरिक संस्कृति में तीरंदाजी शामिल है, जिसे बच्चों से लेकर बुजुर्ग व्यक्ति तक जानता है। साल 2022 से खेल शुरू किया, हम गांव के पहले खिलाड़ी रहे, जो अंडमान से निकलकर आर्चरी के लिए बाहर निकले हैं। हमें देखकर द्वीप के अन्य बच्चों ने भी खेल में हिस्सा लेना प्रारंभ किया।

निशाना साधने के लिए पन्ने पर बनाते हैं चित्र

नेपाल के मोरंग जिले से 3 आर्चरी खिलाड़ी शामिल हुए हैं। कृष्णा मरंडी, शैलेश चौधरी और राजन मुर्मू ने खिलाड़ियों से चर्चा करने के दौरान अपना अनुभव साझा किया। कहा ग्रामीण अंचल में सुविधा की सभी वस्तुओं का मिलना संभव नहीं है, जिससे आर्चरी की तैयारी पन्ने पर चित्र बनाकर करते हैं। पहली बार छात्रावास से दूर आकर राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिला है। तीनों खिलाड़ियों के माता-पिता किसान हैं। ये खिलाड़ी वनवासी छात्रावास में रहकर स्कूली शिक्षा प्राप्त कर रहे।

हेल्थ टिप्स

अचानक से एंग्जायटी होने लगे तो फटाफट करें यह काम

एंग्जाइटी एक मेंटल विकार है, जो ज्यादा सोचने से पैदा होती है। इसके कारण चिंता और घबराहट अचानक से महसूस हने लगती है। व्यक्ति एकदम से परेशान हो जाता है। इससे प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों ही प्रभावित होती है। अगर आपको भी इसकी शिकायत है और अचनाक से कभी भी इसका सामना करना पड़ता है तो आप इससे तुरंत राहत पाने के लिए कुछ उपाय आजमा सकते हैं। इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट लवनीत बत्रा ने जानकारी साझा की है। चलिए जानते हैं एंग्जाइटी को तुरंत काबू में करने के लिए क्या करना चाहिए।

एंग्जाइटी तुरंत दूर करने के लिए क्या करें?

एक्सपर्ट बताती हैं कि जब कभी भी आप एंग्जाइटी के कारण घबराहट और चिंतित महसूस करें, तो आप शरीर को मूव करना शुरू कर दें, यानी आप एरोबिक एक्सरसाइज करना शुरू कर दें। बता दें कि एरोबिक एक्सरसाइज ऐसी शारीरिक गतिविधि है जिसमें शरीर की बड़ी मांसपेशियां इस्तेमाल होती हैं। इससे श्वासन प्रणाली सक्रिय हो जाता है।

एरोबिक व्यायाम में तेज चलना, दौड़ना, साइकिल चलाना तैरना और डांस करना शामिल हैं। इन गतिविधियों से आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनता है।

जब आप एरोबिक व्यायाम करते हैं तो आपका शरीर एंडोर्फिन नामक रसायन का उत्पादन करता है। बता दें कि एंडोर्फिन नेचुरल दर्द निवारक होते हैं जो शरीर से दर्द को कम करते हैं और मूड को बेहतर करते हैं। यी वजह है कि चिंता और तनाव को कम करने के लिए एरोबिक एक्सरसाइज एक बेहतरीन तरीका माना जाता है।

एक्सपर्ट बताती हैं कि आप कुछ नहीं तो तेज चलना शुरू कर दें। कम से कम 30 मिनट ब्रिस्क वॉक जरूर करें। तेज चलने से आपको अपने

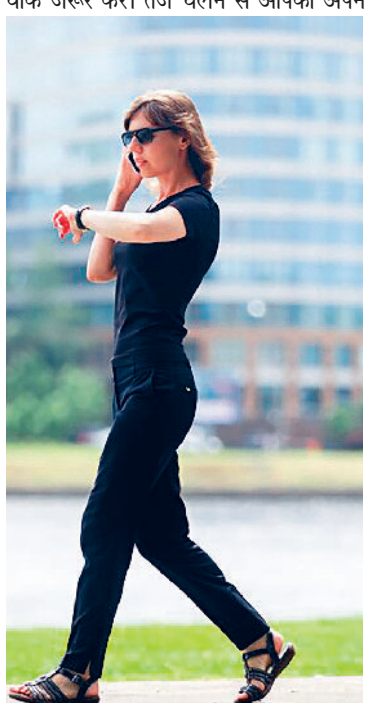

कदमों और सांसों पर ध्यान केंद्रित करने का मौका मिलता है। यह आपके विचारों को शांत करता है, जिससे चिंता में कमी आती है।

एंग्जायटी को कैसे खत्म करें ?

एंग्जायटी डिसऑर्डर का उपचार कई तरह से किया जा सकता है। दवा, मनोचिकित्सा और कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी के जरिए एंग्जायटी डिसऑर्डर का इलाज संभव है। इसके इलाज का बेहतर तरीका दो प्रक्रियाओं का संयोजन होता है और जो दिर्घकालिक रूप से किया जाता है। अधिक्तर मामलों में, इसका इलाज सफलता पूर्वक पूरा किया जाता है।

दवा - एंग्जायटी की समस्याओं को दूर करने के लिए कई एन्टीडिप्रेसेन्ट दवाओं को इसके इलाज के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

मनोचिकित्सा - मनोचिकित्सा या साइकोथेरेपी एक प्रकार की काउन्सिलिंग है जो मानसिक बीमारियों के लिए भावनात्मक रूप से सहायता करता है। इसमें मनोचिकित्सक आपके एंग्जायटी डिसऑर्डर को समझाने और उसका सामना करने के लिए बातचीत करते हैं।

कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी - यह एक प्रकार की थेरेपी है जहां आपके सोचने के तरीकों और व्यवहार में बदलाव जिसके कारण एंग्जायटी उत्पन्न होती है, उसकी पहचान करना बताया जाता है। यह एक तरह से बातचीत की थेरेपी है जो आपको सोचने और व्यवहार करने के तरीकों को बदलकर समस्याओं का समाधान करने में मदद करती है।

इस मौसम में सेहत पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत

ब्लड प्रेशर से लेकर डायबिटीज रोगियों तक बढ़ती ठंडक पैदा कर सकती है गंभीर समस्याएं

दिसंबर-जनवरी का महीना कड़ाके की सर्दी और घने कुहरे वाला होता है, पर इस बार अब तक अपेक्षाकृत ठंड कम है। हालांकि पूर्वानुमानों के मुताबिक आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट आ सकती है। सर्दियों का मौसम खान-पान और तमाम प्रकार के व्यंजनों के शौकीन लोगों के लिए काफी आनंददायक होता है, पर तापमान में गिरावट कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली भी हो सकती है। हृदय रोगों से लेकर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, पाचन की समस्याओं और मानसिक स्वास्थ्य विकार वाले लोगों के लिए सर्दियों का मौसम काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लिहाजा ऐसे लोगों को सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है। ठंड के महीनों में सर्दी, फ्लू और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियां होना अधिक आम है। इसके अलावा इन दिनों में ब्लड प्रेशर की समस्या भी ज्यादा हो सकती है। आइए जानते हैं कि यह मौसम आपकी सेहत को किस प्रकार से प्रभावित करने वाला होता है? और बचाव के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए?

सर्दी-जुकाम और फ्लू की समस्या

तापमान में गिरावट के साथ सर्दी-जुकाम की समस्या होना काफी सामान्य है। ये अलग-अलग वायरस के कारण हो सकती है, राइनोवायरस सर्दी का सबसे आम कारण है। सर्दी के मौसम में सूर्य की रोशनी से मिलने वाले विटामिन डी का अवशोषण भी कम हो जाता है, इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है। ये आपको इन बीमारियों के प्रति और भी संवेदनशील बना देती है। इन समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी है कि आप ठंड से बचने के लिए पर्याप्त उपाय करें।

अस्थमा और सांस की बीमारियां

अस्थमा या सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए सर्दी का मौसम साल का सबसे कठिन समय हो सकता है। ठंडी, शुष्क हवा और मौसम में अचानक बदलाव से आपके वायुमार्ग में जलन की समस्या बढ़ने लगती है, जिससे अधिक बलगम पैदा होने लगता है। ये सांस की जटिलताओं को बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है, जिसके कारण अस्थमा के ट्रिगर होने या अटैक का खतरा बढ़ जाता है। सर्दी के दिनों में निमोनिया जैसी सांस की बीमारियों के मामले भी अधिक रिपोर्ट किए जाते रहे हैं।

बढ़ सकता है ब्लड प्रेशर

सर्दी के दिनों में रक्तचाप बढ़ने की समस्या भी अधिक देखी जाती रही है, आमतौर पर सर्दियों में ब्लड प्रेशर अधिक और गर्मियों में लो होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कम तापमान के कारण रक्त वाहिकाएं अस्थायी रूप से संकीर्ण हो जाती हैं, इससे रक्तचाप बढ़ जाता है। संकुचित नसों और धमनियों के माध्यम से रक्त को प्रवाहित करने के लिए अधिक दबाव की आवश्यकता होती है, इसका हृदय की सेहत पर भी असर पड़ सकता है।यही कारण है कि इस मौसम में हार्ट अटैक के मामले भी अधिक रिपोर्ट किए जाते हैं।

डायबिटीज रोगियों की बढ़ सकती हैं समस्या

सर्दियों का मौसम सिर्फ ब्लड प्रेशर ही नहीं, मधुमेह की समस्या वाले लोगों के लिए भी काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। डायबिटीज से पीड़ित कई लोगों में जैसे-जैसे तापमान गिरता है, रक्त शर्करा बढ़ जाती है। ठंडा तापमान आपके शरीर में तनाव बढ़ाता है जिसके प्रतिक्रिया में, आपका शरीर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन जारी करता है। ये हार्मोन इंसुलिन उत्पादन को कम करते हैं परिणामस्वरूप, आपके रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

हाथों की ये रेखाएं बताती हैं कैसा रहेगा वैवाहिक जीवन?

हाथों की रेखाएं व्यक्ति का नसीब बताती है। हर व्यक्ति की रेखाएं अलग-अलग होती हैं। सबका भाग्य एक जैसा नहीं होता है। किसी को जीवन में कुछ पाने के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ता है लेकिन कुछ लोग आसानी से विलासिता भरा जीवन जीते हैं। यही नहीं कई बार दिन रात मेहनत करने के बाद भी मनचाहे परिणाम नहीं मिलते। वहीं कुछ लोग आसानी से सफलता की सीढ़ी चढ़ जाते है। इसे हाथों की रेखाओं का खेल भी कहा जा सकता है। दरअसल, व्यक्ति के हाथों की लकीर उसके भाग्य के बारे में बताती है। इसलिए हाथों की रेखाओं को हर किसी से नहीं पढ़वाना चाहिए। माना जाता है कि इससे भाग्य रेखा प्रभावित होती हैं। वहीं हाथों की रेखा से व्यक्ति के वैवाहिक जीवन के बारे में भी पता चलता है। सभी के हाथों में कुछ रेखा या ऐसे निशान होते हैं जो वैवाहिक जीवन में खुशी या निराशा के बारे में बताती है। आइए जानते हैं कि हाथों की कौन सी रेखाएं वैवाहिक जीवन में खुशी और परेशानियों का संकेत देती हैं।

सुखी वैवाहिक जीवन का संकेत देती है ये रेखाएं

हाथों में विवाह रेखा का लंबी होना और उसका सूर्य पर्वत तक जाना बेहद ही शुभ माना जाता है। ये एक संपन्न जीवनसाथी के होने का इशारा करती है। यदि आपके बुध पर्वत से आई हुई कोई रेखा विवाह रेखा को काटती है तो इससे वैवाहिक जीवन परेशानियों से भरा होता है। अगर पुरुष के बाएं हाथ में दो विवाह रेखा होती है और दाएं हाथ में एक विवाह रेखा हो तो ये श्रेष्ठ जीवनसाथी के मिलने का संकेत होता है।

स्वादिष्ट चॉकलेट केक से करें मेहमानों का स्वागत, जानें इसे बनाने का तरीका

क्रिसमस सप्ताह चल रहा है और नया साल भी आने वाला है। ऐसे में आपके लिए चॉकलेट केक बनाने की ऐसी रेसिपी जो बेहद आसान है। इसे आप अपने मेहमानों को भी परोस सकती हैं। बड़े से लेकर बच्चे तक आपका ये केक बेहद मन से खाएंगे।

केक बनाने के लिए सबसे पहले अपने ओवन को 180 डिग्री सेल्सियस पर प्री-हीट कर दें। इसके बाद अब एक बड़े बाउल में मैदा, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा और कॉको पाउडर को अच्छे से मिलाएं। इसके बाद एक अलग एक बाउल में चीनी, दूध, तेल, वेनिला एक्सट्रैक्ट और अंडा डालकर अच्छे से मिक्स करें। ये ना तो ज्यादा गाढ़ा हो ना ही काफी पतला। इसे तैयार करने के बाद अब सूखे और गीले मिश्रणों को सही से फेंटें। ध्यान रखें कि इस मिश्रण में किसी तरह की गांठें नहीं पड़नी चाहिए। इस बेटर को तैयार करने के बाद इसमें चॉकलेट चिप्स डालें। अब एक केक पैन को तेल या बटर से अच्छे से ग्रीस करें। इसके बाद तैयार मिश्रण को केक पैन में डालें और फिर ओवन में रखें। इस केक को अब लगभग 30-35 मिनट तक बेक करें। इतने समय के बाद एक बार चाकू से ये चेक कर लें कि केक पक गया या नहीं। अगर चाकू पर बेटर ना चिपक रहा हो तो केक को बाहर निकाल लें। इसके बाद केक को ठंडा होने दें और फिर उसे प्लेट में निकालें।

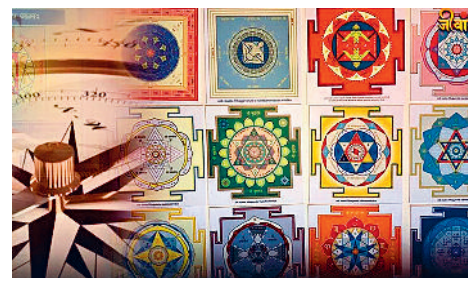

धन से जुड़ी परेशानी हो या फिर जमीन विवाद, फौरन दूर करते हैं ये वास्तु यंत्र

श्रीयंत्र को मां लक्ष्मी का ही स्वरूप माना जाता है। ऐश्वर्य और धनलक्ष्मी की वृद्धि के लिए वास्तु में इस यंत्र का प्रयोग किया जाता है।

वास्तुशास्त्र में दिशाओं का महत्व

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर हो या फिर व्यावसायिक प्रतिष्ठान, कहीं भी वास्तु दोष होने से वहां रहने वाले लोगों का जीवन किसी न किसी तरह से प्रभावित अवश्य होता है और तरह-तरह की कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वास्तु में इन दोषों को दूर करने के लिए कुछ विशेष प्रकार के यंत्र हैं। जिनको अपनाकर आप अपने जीवन में परेशानियों को दूर कर सुख-समृद्धि बटोर सकते हैं।

वास्तुदोष दूर करने के लिए

दिक्दोषनाशक यंत्र वास्तुदोष निवारण का महत्वपूर्ण यंत्र है जिसमें सभी दिशाओं और दिक्पालों का पूजन किया जाता है। यदि घर में टॉयलेट,रसोई या बाथरूम कोई गलत दिशा में बन गया हो तो यह यंत्र स्थापित करने से वह दोष मिट जाता है। इसी प्रकार वरुण यंत्र बड़ा ही प्रभावी वास्तु यंत्र है जो जल संबंधी समस्त दोषों को दूर करता है। यदि जलस्थान, नलकूप, पानी की टंकी अग्नि कोण या गलत दिशा में बन गए हैं तो इस वरुण यंत्र को उस पर स्थापित करके पूजन करने पर जल संबंधी सभी दोष नष्ट हो जाते हैं। सर्वमंगल वास्तु यंत्र वास्तु संबंधी सभी प्रकार के दोष-निवारण करने के साथ-साथ सब प्रकार की मंगल कामना हेतु अचूक वरदायक है।

जमीन विवाद के लिए

मारुति यंत्र हनुमानजी का यंत्र है। इस यंत्र के बहुत से उपयोग हैं, परन्तु इनमें से एक उपयोग वास्तु के संबंध में बहुत प्रचलित है। जिनकी जमीन नहीं बिक रही हो या जिस जमीन में विवाद खड़ा हो गया हो। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए भूखंड मालिक को मंगलवार के दिन दोपहर 12 बजे इस यंत्र को ले जाकर सम्बंधित भूमि में पूर्व या ईशान दिशा में सवा हाथ गड्ढा खोदकर गाड़ दें और ऊपर से दूध या गंगाजल की धारा चढ़ानी चाहिए। वास्तु के अनुसार भूमि का विवाद तीन महीने के अंदर सुलझ जाएगा। मारुति यंत्र वाहन सुरक्षा के लिए भी लाभकारी है।

धन प्राप्ति के लिए

श्रीयंत्र को मां लक्ष्मी का ही स्वरूप माना जाता है। ऐश्वर्य और धनलक्ष्मी की वृद्धि के लिए वास्तु में इस यंत्र का प्रयोग किया जाता है। यदि दुकान में मन नहीं लगता हो, व्यापार में बरकत न हो,रुपया पैसा आता तो हो पर बचत नहीं हो पा रही है तो इसे घर या दुकान की उत्तर दिशा में लगाना बहुत लाभकारी है।

द्वारदोष दूर करने के लिए

यह एक विशिष्ठ प्रकार का तोरण है,जो द्वार संबंधी दोषों का हरण करता है और घर को बाहरी विपदाओं से बचाता है।

शत्रु बाधा को दूर करने के लिए

वास्तु के अनुसार यदि किसी शत्रु ने आपके घर या दुकान को बांध रखा है या आप पर कोई अभिचार कर्म किया है तो यह यंत्र उस अभिचार कर्म को नाश करके वापस लौटा देता है।

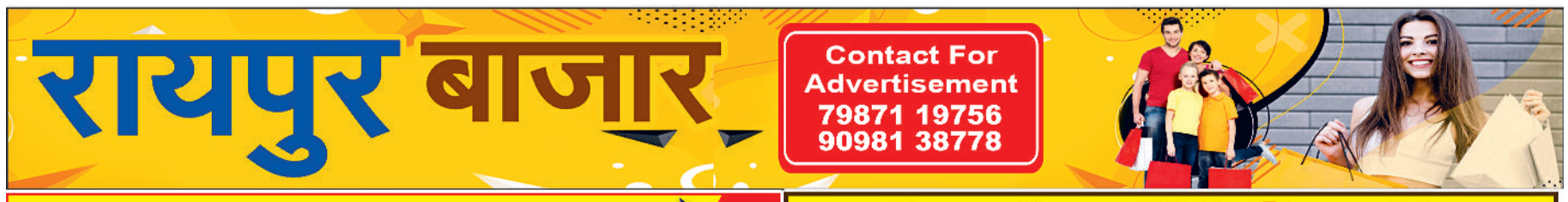

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'ओपेनहाइमर' के बाद क्रिस्टोफर अब अगले धमाके की तैयारी में

क्रिस्टोफर नोलन की अगली फिल्म द ओडिसी होगी।

इस फिल्म का निर्माण यूनिवर्सल की ओर से किया जा रहा है। यह फिल्म होमर की प्रसिद्ध कविता ओडिसी पर आधारित है, जिसे करीब 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व लिखा गया था। इस फिल्म की शूटिंग नए आईमैक्स फिल्म तकनीक का उपयोग से दुनियाभर के स्थानों पर की जाएगी। यूनिवर्सल स्टूडियो ने एक बयान में कहा, "क्रिस्टोफर नोलन की अगली फिल्म द ओडिसी एक एक्शन फिल्म है, जो पूरी दुनिया में आईमैक्स फिल्म तकनीक का उपयोग करते हुए शूट की जाएगी। यह फिल्म होमर की इस ऐतिहासिक गाथा को पहली बार आईमैक्स स्क्रीन पर पेश करेगी। 17 जुलाई, 2026 को यह सिनेमाघरों में दस्तक देगी।"

यह कविता ग्रीक कवि होमर ने लिखी है। इसमें इथाका के राजा ओडिसियस की कहानी है, जो ट्रोजन युद्ध के बाद अपने घर लौटने के लिए यात्रा के दौरान कई कठिनाइयों का सामना करते हैं। इस यात्रा में ओडिसियस को कई खतरे उठाने पड़ते हैं, जिनमें साइकलोप्स पोलिफेमस, सीरिन्स, और जादूगरनी सर्के जैसी मशहूर घटनाएं शामिल हैं। अंत में यह कहानी ओडिसियस की अपनी पत्नी पेनलोप से मुलाकात पर समाप्त होती है। द ओडिसी को पहले भी कई बार फिल्म और टेलीविजन पर रूपांतरित किया जा चुका है। इसे साल 1954 में इतालवी फिल्म यूलीसिस और साल 1997 की मिनी-सीरीज द ओडिसी में रुपांतरित किया गया था।

टॉलीवुड

'बारोज' के बाद निर्देशन नहीं करेंगे मोहनलाल, बताई खास वजह

मोहलाल की निर्देशन में बनी फिल्म 'बारोज' की रिलीज में अब सिर्फ कुछ दिन ही बाकी हैं। हाल ही में इस दिग्गज अभिनेता ने खुलासा किया कि 'बारोज' के बाद वह किसी भी फिल्म का निर्देशन नहीं करेंगे।

मोहनलाल ने कहा कि 'बारोज' उनकी पहली और आखिरी निर्देशन वाली फिल्म होगी। उन्होंने फिल्म के निर्देशन का कारण भी बताया और कहा कि उनका मूल विचार थ्रीडी फिल्म बनाने का था, जिसे बिना थ्रीडी चश्मे के देखा जा सके। मोहनलाल ने कहा कि आमतौर पर लोग थ्रीडी फिल्में देखने के बाद सिर दर्द की शिकायत करते हैं, लेकिन 'बारोज' के प्रीव्यू शो में ऐसा नहीं हुआ। मोहनलाल ने पहले एक ऐसी थ्रीडी फिल्म बनाने का विचार किया था, जिसे बिना चश्मे के देखा जा सके, लेकिन यह काफी महंगा था। मोहनलाल ने कहा कि वह असंभव चीजों को करने का शौक रखते हैं और इसी कारण उन्होंने 'बारोज' का निर्देशन करने का निर्णय लिया। अभिनेता ने कहा कि फिल्म को बनाते समय सबकुछ सही तरीके से होता चला गया। फिल्म की एक दिलचस्प जानकारी यह है कि 'बारोज' की टीम ने हॉलीवुड के दिग्गज संगीतकार हैंस जिमर से संपर्क किया था, ताकि वह फिल्म का संगीत तैयार कर सकें। मोहनलाल ने उन्हें एक पत्र लिखकर इस प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए पूछा, लेकिन हैंस जिमर ने जवाब दिया कि उनके पास समय नहीं है। हालांकि, हैरान करने वाली बात यह है कि हैंस जिमर की टीम ने फिल्म के साउंडट्रैक में योगदान दिया है और उनके कुछ संगीतकार भी इस फिल्म का हिस्सा बने हैं। 'बारोज' बड़े पर्दे पर 25 दिसंबर को रिलीज हुई है। वहीं, उन्नी मुकुंदन की फिल्म 'मार्को' भी चर्चा में है। फिल्म को जबर्दस्त सकारात्मक समीक्षाएं मिल रही हैं और यह बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

भोजपुरी

'रंगदारन के चीफ' में रितेश का स्वैग भरा गाना रिलीज होते ही वायरल

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में अपने धमाकेदार गानों से फैंस के दिलों पर राज करने वाले सुपरस्टार सिंगर रितेश पांडेय का नया गाना 'रंगदारन के चीफ' यूट्यूब चैनल 'वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी' पर रिलीज हो गया है। इस गाने में उनके साथ खूबसूरत अदाकारा माही श्रीवास्तव नजर आ रही हैं और दोनों की जबरदस्त केमिस्ट्री ने फैंस को दीवाना बना दिया है। अपने इस नए गाने के बारे में रितेश पांडेय ने कहा, 'यह गाना मेरे दिल के बहुत करीब है। इसका म्यूजिक और लिरिक्स दर्शकों को एंटरटेन करने के साथ-साथ झूमने पर मजबूर कर देगा। दर्शक इसे खूब पसंद करेंगे।' गाने के निर्माता रत्नाकर कुमार कहते हैं, 'भोजपुरी इंडस्ट्री में एक नया ट्रेंड सेट करने के मकसद से यह गाना बनाया गया है। हमें उम्मीद है कि यह गाना भोजपुरी म्यूजिक को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।' माही श्रीवास्तव ने गाने की शूटिंग को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, 'रितेश जी के साथ काम करना हमेशा शानदार होता है। इस गाने में स्वैग और एंटरटेनमेंट का परफेक्ट मिश्रण है। दर्शकों का रिस्पॉन्स देखकर हमें बेहद खुशी हो रही है।'

इस गाने के बोल लिखे हैं मांजी मीत ने, जबकि इसका संगीत धर्मेंद्र चंचल ने दिया है।

मौसम का तकाजा

लाइफ स्टाइल

इन दिनों यूरोप के ज्यादातर मुल्कों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। इस बीच फैशन शो भी पूरी गर्मजोशी के साथ हो रहे हैं। ऐसे में सर्दी से बचने इस मॉडल में पूरा इंतजाम किया हुआ है। पेरिस फैशन वीक में विंटर-24 शो के दौरान सभी मॉडलों ने चुनिंदा कलेक्शन पेश किया। इसे फैशन जगत में खूब तारीफ मिली।

स्किन लाइटनिंग में मदद करता है कोको बटर, ऐसे करें इस्तेमाल

हम सभी अपनी स्किन को लाइटन व ब्राइटन करना चाहती हैं और इसके लिए कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन अगर आप चाहें तो कोको बटर की मदद से भी स्किन को लाइटन कर सकती हैं। आप कोकोआ बटर और कोकोनट ऑयल की मदद से एक बेहद ही मॉइश्चराइजिंग स्किन लाइटनिंग क्रीम बनाई जा सकती है। सबसे पहले डबल बॉयलर की मदद से कोकोआ बटर पिघलाएं। जब यह पिघल जाए तो इसमें नारियल का तेल और मीठा बादाम का तेल डालकर मिक्स करें।

अब मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें, लेकिन पूरी तरह जमने नहीं दें। अब आप हैंड मिक्सर या ब्लेंडर का उपयोग करके तब तक ब्लेंड करें जब तक आपको एक क्रीमी टेक्सचर ना मिल जाए। अब आप इसमें एसेंशियल ऑयल डालकर मिक्स करें। अंत में, क्रीम को एक साफ, एयरटाइट कंटेनर में डालकर स्टोर करें।

कोकोआ बटर के साथ बादाम का तेल और दही का कॉम्बिनेशन स्किन को लाइटन करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले कोकोआ बटर को डबल बॉयलर (बिगनर्स के लिए स्किन केयर टिप्स) या माइक्रोवेव में पिघलाएं। अब इसमें बादाम का तेल और दही डालकर मिलाएं।

आप इसे तब तक हिलाएं, जब तक कि यह अच्छी तरह से मिक्स न हो जाए। अब मिश्रण को ठंडा होने और जमने दें। अपनी स्किन को क्लीन करके क्रीम लगाएं। इसे करीबन 15-20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पानी से धो लें।

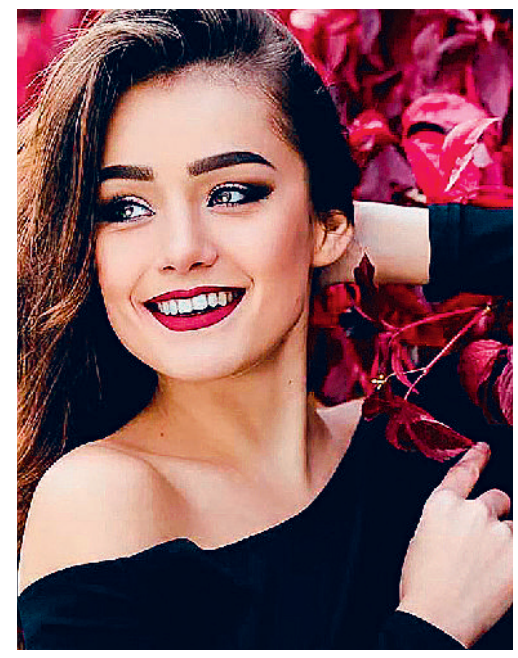

न्यू ईयर पार्टी में पहननी है लाल रंग की साड़ी तो देखें क्या है ट्रेंड में

फैशन

बहुत से लोग तो अपने घरों में पार्टी होस्ट करते हैं, तो वहीं बहुत से लोग क्लब या ऑफिस में पार्टी करते हैं। वैसे तो पार्टी के लिए लाल रंग ही सबसे बेस्ट रहता है लेकिन फिर भी बहुत सी महिलाओं और लड़कियों को ये समझ नहीं आता कि वो न्यू ईयर पार्टी के दिन क्या पहनें।

पार्टी के दिन ड्रेस और गाउन तो हर कोई पहनता है लेकिन अगर आप न्यू ईयर पर साड़ी पहनने का सोच रही हैं सबसे पहले इसके ट्रेंड के बारे में जान लें। आपको आज इस बारे में बताएंगे कि आजकल किस तरह की साड़ियां चलन में हैं, जिसे पहनकर आप अपना जलवा दिखा सकती हैं।

जॉर्जट साड़ी

हैवी बॉर्डर वाली ऐसी जॉर्जट फैब्रिक की साड़ी आपके लुक को खूबसूरत बनाने का काम करेगी। इसके साथ बैकलेस ब्लाउज ही पहनें। इसके अलावा अगर आप इसके साथ बालों को कर्ल करेंगी तो आपका लुक कमाल का लगेगा।

इंडो वेस्टर्न साड़ी

अगर आप क्रिसमस पार्टी में साड़ी पहनकर धमाल मचाना चाहती हैं तो मलाइका अरोड़ा के जैसी इंडो वेस्टर्न साड़ी बेहद खूबसूरत है। ये आपको काफी ग्लैमरस लुक देगी। इसके साथ आपको मेकअप और हेयर स्टाइल का खास ध्यान रखना पड़ेगा।

कॉटन की साड़ी

वैसे तो कॉटन की साड़ी हमेशा गर्मियों में कैरी की जाती है, लेकिन आप इसे सर्दियों में भी कैरी कर सकती हैं। ऐसी साड़ी पहनने में काफी आरायदामक होती है। आप चाहें तो इसके साथ ब्लेजर कैरी कर सकती हैं। ये आपको क्लासी लुक देगा।

मिरर वर्क साड़ी

प्रियंका चोपड़ा का ये साड़ी लुक क्रिसमस पार्टी में आपको लुक देगा। पूरी प्लेन लाल रंग की साड़ी पर अगर इस तरह से सिर्फ बॉर्डर पर मिरर वर्क होगा, तो ये देखने में कमाल का लगेगा। ऐसी साड़ी खूबसूरत भी लगती है।

अपनी पुरानी टाइट जींस पहनना चाहते हैं दोबारा, तो आजमाएं इन ट्रिक्स को

अधिकतर लड़कियों की वार्डरोब में जींस जरूर शामिल होती है। जींस में लड़कियों का लुक अच्छा लगता है। शर्ट, टॉप और कुर्ते आदि के साथ लड़कियां अपनी जींस को टीमअप कर सकती हैं। कुछ जींस ऐसी होती हैं, जो काफी पुरानी होने के बाद भी आपकी फेवरेट होती हैं। जिसे आप हमेशा अपने वार्डरोब का हिस्सा बनाकर रखना चाहते हैं हालांकि आपकी फेवरेट जींस पुरानी हो जाती है, वह आपको टाइट, लूज होने लगती हैं या फिर जींस का रंग उतरने लगता है। ऐसे में आप उसे चाह कर भी पहन नहीं पाते।

क्योंकि आपकी वहीं पसंदीदा जींस अब पहनने पर अच्छी नहीं लगेगी। ऐसे में या तो आप अपनी पुरानी जींस को वार्डरोब से निकाल देते हैं या फिर आप टाइट हो गई जींस को पहनने के लिए अपने पहले वाले फिगर में वापस आने की कोशिश करते हैं। लेकिन फिगर मेंटेन रखना और स्लिम होना आसान नहीं होता। अगर आपकी वार्डरोब में ऐसी जींस हैं, जिन्हें आप दोबारा पहनना चाहते हैं तो कुछ ट्रिक्स को आजमा सकती हैं। चलिए जानते हैं पुरानी जींस को वापस कैरी करने के लिए क्या हैं टिप्स और ट्रिक्स।

टाइट जींस को पहनने के ट्रिक्स

अगर आपकी कोई जींस थोड़ी सी टाइट हैं तो उसे स्ट्रेच करके पहनने योग्य बनाया जा सकता है। टाइट जींस को ठीक करने के लिए पानी को गर्म करके एक स्प्रे बोतल में भर लीजिए। अपनी जींस को हैंगर पर टांगकर उसकी कमर और थाई के आसपास स्प्रे से पानी को छिड़कें। फिर जींस को हैंगर पर स्ट्रेच करते हुए टांगे। जींस के जिस हिस्से को स्ट्रेच किया है उसे लगभग एक दिन के लिए ऐसे ही हैंगर में टंगे रहने दें।

शादी सीजन में काम आएंगे ये जरूरी हैक्स, कपड़ों से लेकर ज्वेलरी सेट करने की नहीं होगी चिंता

शादी के सीजन में आपने भी अपने तैयारियां कर ली होंगी। मगर आखिरी समय में चीजें इधर-उधर हो ही जाती हैं। ऐसे में वेडिंग के कुछ हैक्स आपके बहुत काम आने वाले हैं। अगर आप एक दुल्हन हैं या दुल्हन की सहेली, तो ऐसे में ये हैक्स आपकी बहुत मदद करेंगे।

दुपट्टे को सिर में ऐसे टिकाएं

क्या आपके सिर से दुपट्टा बार-बार गिरा जा रहा है? क्या आपका सारा ध्यान इसपर है कि दुपट्टा सिर पर नहीं टिक पा रहा है? अरे अब चिंता मत कीजिए और इस हैक को तुरंत आजमा लीजिए। अपने दुपट्टे के किनारे में टिप-टॉप क्लिप्स को अंदर की ओर फंसा लें। इसके बाद तैयार होने के बाद, जहां से भी आपको दुपट्टा पहनने है, वहां पर क्लिप्स खोलकर दुपट्टा सेट करें और बालों पर क्लिप्स को बंद कर लें। इसके बाद देखिए आपका दुपट्टा बिल्कुल नहीं सरकेगा और आपका ध्यान भी नहीं भटकेगा।

टाइट पजामे का ऐसे करें जुगाड़

अब ऐसा होता है कि आपने जो साइज सिलने के लिए टेलर को दिया हो, उससे ऊपर-नीचे साइज सिलकर आ जाता है। कई बार आपका वजन बढ़ जाता है, तो कई बार वजन घट जाता है। वजन घट जाए, तो उसका इलाज है, लेकिन वजन बढ़ने की स्थिति में क्या करेंगी। ऐसे में हमारा यह हैक आपके काम आएगा। अगर आपकी पैंट्स बहुत ज्यादा टाइट हो गई हैं, तो फिर पैंट के हुक में दो सेफ्टी पिन्स टक कर लें। सेफ्टी पिन्स में दो छोटे और पतले रिबन फंसाकर उन्हें आपस में बांध लें। इससे आपके फंक्शन के लिए आप आराम से तैयार होकर बैठ सकती हैं।

बार-बार फिसलती सैंडल को ऐसे करें ठीक

बड़ी मुश्किल से कोई सैंडल या हील हमें पसंद आई है। उसे पहनकर हम अपनी शादी में या दोस्त की शादी में शो ऑफ करना चाहें, लेकिन समस्या है कि वो बार-बार फिसल रही है, तो फिर? ऐसा आपके साथ भी होता होगा कि कई सैंडल बार-बार फिसलती होगी, इसके लिए आप क्या करती हैं? कुछ नहीं, आइए तो यह हैक जान लें। आपका जो हेयर सेटिंग स्प्रे है, वो आपके काम आ सकता है।

कार्नर न्यूज

शादी व पार्टियों के मौसम में स्टाइल पर ध्यान देना जरूरी

पार्टी में दिखाना है स्टाइल तो न्यू लुक्स से लें आइडिया, नजरें टिकेंगी आप पर

इन दिनों सीजन शादियों और पार्टियों का है। लोग साल को विदा करने छुट्टियां बिताने बाहर भी जा रहे हैं वहीं कुछ ही दिनों में साल 2025 का आगाज होने वाला है। ऐसे में माहौल जश्न का हैं। लोगों ने साल के इस आखिरी हफ्ते के लिए कई तैयारियां भी कर ली हैं। विदेशों के साथ अपने देश में कई जगहों पर धूमधाम से पार्टियां चल रही है। शादियां अटेंड करने के अलावा लोग ईयर एंड की पार्टी में भी जा रहे हैं। बहुत से लोग घरों पर पार्टी करते हैं, वहीं बहुत से लोग क्लब या दूसरे शहरों में जाते हैं पार्टी के लिए।

जैकेट को दें प्राथमिकता

सर्दियों की इन पार्टियों में आप अपने लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए जैकेट का इस्तेमाल जरूर करें। इस तरह की जैकेट काफी कूल दिखती है।

जींस और शर्ट

कूल दिखने के लिए आप लाइट ब्लू रंग की डेनिम जींस के साथ लाइट ग्रीन रंग की शर्ट कैरी कर सकते हैं। इस रंग की शर्ट देखने में काफी क्लासी दिखती है।

बीच पार्टी के लिए लुक

ज्यादातर लोग सर्दियों के मौसम में नए साल पर गोवा या किसी और बीच पर जाते हैं। अगर आपका भी ऐसा कुछ प्लान है तो आप इसी तरह से शॉर्ट्स और शर्ट कैरी कर सकते हैं।

व्हाइट लुक के साथ येलो जैकेट

अगर आप कुछ अलग क्रिएट करना चाहते हैं तो ऑल व्हाइट लुक के साथ इस तरह की पीले रंग की जैकेट पहन सकते हैं। ये आपको सर्दी से भी बचाने में मदद करेगी।

ऑल ब्लैक लुक

इस तरह का ऑल ब्लैक लुक ज्यादातर लड़कों को पसंद आता है। ऐसे में आप भी इसी तरह का ऑल ब्लैक लुक कैरी करके अपना स्टाइल दिखा सकते हैं।

फॉर्मल पैंट के साथ पहनें लेदर जैकेट

अगर आप कुछ अलग सा पहनने का सोच रहे हैं तो ब्लैक पैंट के साथ आप ग्रे रंग की लेदर जैकेट कैरी कर सकती हैं।